RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | शुक्रवार, 30 जनवरी 2026 | वर्ष: 03, अंक: 323 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अगले आदेश तक लागू रहेगा यूजीसी विनियम 2012

कोर्ट ने कहा कि भेदभाव की परिभाषा और ज्यादा समावेशी होनी चाहिए

नई दिल्ली/एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी विनियम, 2026 पर रोक लगा दी है। शीर्ष न्यायालय ने कहा है कि अगले आदेश तक 2012 वाले नियम ही लागू रहेंगे। अब इस मामले पर अगली सुनवाई 19 मार्च को होगी। गौरतलब है कि नए नियम 2012 वाले नियमों को स्थान लेते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि यदि पहले से नियम मौजूद थे तो नए नियम लाने की क्या जरूरत पड़ी? सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर सुनवाई के दौरान विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की ओर से लाए गए 'समता विनियम 2026' पर रोक लगा दी। दरअसल, बीते कुछ दिनों से पूरे देश में यूजीसी के इन नए नियमों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन जारी थे। उच्च शिक्षा नियंत्रक शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव को खत्म करने के मकसद से लाए गए नियमों को लेकर ही विवादों में घिर गई थी। इस बीच चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने फिलहाल यूजीसी के नए नियमों पर रोक लगा दी। कोर्ट ने कहा कि भेदभाव की परिभाषा और ज्यादा समावेशी होनी चाहिए।

2026 के रेगुलेशन में भेदभाव की भाषा अस्पष्ट है। कोर्ट ने कहा कि उसे यह देखना होगा कि नए नियम समानता के अधिकार के हिसाब से सही हैं या नहीं। इसी के साथ सर्वोच्च न्यायालय ने 2012 के यूजीसी नियमों के लागू रहने की बात कही। गौरतलब है कि रोहित वेमुला और पायल तड़वी की कथित जातिगत भेदभाव के कारण हुए हत्या के बाद सुप्रीम कोर्ट ने यूजीसी को ऐसे मामलों से निपटने के लिए नियम बनाने के आदेश दिए थे। 13 जनवरी 2026 को यूजीसी उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए 'समता विनियम 2026' लेकर आई। इसमें समान्य वर्ग के लोगों द्वारा एससी, एसटी के बाद अब ओबीसी के साथ भी जातिगत भेदभाव करने पर कड़े प्रवाधान बनाए गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर बने नियम का विरोध सड़कों पर हुआ है।

ऐसे में ये जानना अहम है कि यूजीसी का नया नियम क्या है?, नियमों का विरोध क्यों हो रहा है?, एससी-एसटी, ओबीसी छात्रों और अध्यापकों के लिए क्या नियम है?, इसके विरोध और समर्थन में क्या तर्क दिए जा रहे हैं?, सुप्रीम कोर्ट में इस मामले में क्या हो रहा है? आइए समझते हैं.....

सबसे पहले जानते हैं यूजीसी का नया नियम क्या है

13 जनवरी को यूजीसी यानी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने

उच्च शिक्षण संस्थानों में समता के संवर्धन हेतु यूजीसी समता विनियम 2026 को अधिसूचित किया। इस नियम का मुख्य उद्देश्य उच्च शिक्षण संस्थानों में धर्म, नस्ल, जाति, लिंग, जन्म स्थान या दिव्यांगता के आधार पर होने वाले भेदभाव को खत्म करना है।

यह नियम अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति, सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़े वर्गों, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, विकलांग व्यक्तियों को किसी भी तरह के भेदभाव से सुरक्षा देता है। नए नियम को सभी विश्वविद्यालय को लागू करना होगा। इसको कैसे लागू किया जाएगा इसके लिए भी यूजीसी ने एक पूरा खाका तैयार किया है।

यूजीसी विनियम, 2012

यूजीसी ने वर्ष 2012 में ये विनियम इसलिए बनाए थे ताकि उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले छात्रों को जाति, धर्म, भाषा, लिंग, क्षेत्र और दिव्यांगता के आधार पर होने वाले भेदभाव से सुरक्षा दी जा सके। इन नियमों का मुख्य फोकस छात्रों के अधिकारों और उनके साथ होने वाले व्यवहार पर था। खास तौर पर अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के छात्रों के संरक्षण को इसमें प्रमुख स्थान दिया गया।

2012 के नियमों में भेदभाव की स्पष्ट पहचान

2012 के विनियमों में भेदभाव को बहुत व्यावहारिक और ठोस उदाहरणों के साथ परिभाषित किया गया था। इसमें प्रवेश प्रक्रिया से लेकर कक्षा, परीक्षा, मूल्यांकन, छात्रवृत्ति और कैंपस सुविधाओं तक के मामलों को शामिल किया गया।

परंपरा और राष्ट्रगौरव: राष्ट्रपति की मौजूदगी में बीटिंग रिट्रीट ने बांधा समां

नई दिल्ली/एजेंसी

विजय चौक पर आयोजित बीटिंग रिट्रीट समारोह के साथ 77वें गणतंत्र दिवस समारोहों का औपचारिक समापन हुआ। इस अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया और देश की सैन्य परंपराओं, अनुशासन व शौर्य का प्रभावशाली प्रदर्शन देखने को मिला। समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उपस्थित रहे।

क्या है बीटिंग रिट्रीट का महत्व?

बीटिंग रिट्रीट समारोह हर वर्ष विजय चौक पर आयोजित होता है और यह गणतंत्र दिवस समारोहों के समापन का प्रतीक है। सैन्य परंपरा से निकले इस आयोजन में थलसेना, नौसेना और वायुसेना के बैंड देशभक्ति और शास्त्रीय धुनों की प्रस्तुति देते हैं। यह आयोजन भारतीय सशस्त्र बलों की परंपरा, अनुशासन और वीरता को रेखांकित करता है। समारोह के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मौजूदगी ने आयोजन को गरिमा प्रदान की। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी समारोह में शामिल हुए। तीनों शीर्ष संवैधानिक पदों पर आसीन नेताओं की उपस्थिति ने इस आयोजन के राष्ट्रीय महत्व को और मजबूत किया।

छात्रों को ज्ञान के साथ विभिन्न कौशलों में करना है पारंगत : बीएसए

डीआईओएस पीएन सिंह के मार्ग दर्शन में कैरियर मेला का आयोजन

समग्र शिक्षा माध्यमिक की ओर से कैरियर गाइडेंस के लिए जनपद स्तरीय कैरियर मार्गदर्शन मेला लगा

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। समग्र शिक्षा माध्यमिक की ओर से कैरियर गाइडेंस के तहत जनपद स्तरीय कैरियर मार्गदर्शन मेला राजकीय बालिका इंटर कॉलेज (निकट स्वरूप रानी), सिविल लाइंस, प्रयागराज में आज आयोजित किया गया। कार्यक्रम में माध्यमिक शिक्षा विभाग के अधीन संचालित समस्त राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के छात्र – छात्राओं, कैरियर गाइडेंस से संबंधित विद्यालय नोडल शिक्षकों, प्रधानाचार्य एवं अभिभावक शामिल हुए। जिला विद्यालय निरीक्षक प्रयागराज पीएन सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित कैरियर मार्गदर्शन मेले का शुभारंभ बीएसए अनिल कुमार, एसआरएन के वरिष्ठ सर्जन डा संतोष सिंह, प्रो शशिकांत त्रिपाठी कुलभाष्कर आश्रम पीजी कॉलेज ,सह जिला विद्यालय निरीक्षक जितेंद्र

प्रताप सिंह ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन करके किया। जीजीआईसी की प्रधानाचार्या नीलम मिश्रा ने अतिथियों को
पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। बैज अलंकरण किरन राय, लता कुमारी , स्काउट प्रभारी डॉ आकांक्षा केसरी ने किया। छात्राओं ने सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया। एडीआईओएस जितेंद्र प्रताप सिंह ने स्वागत अभिभाषण किया।
जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि छात्रों को ज्ञान के साथ साथ विभिन्न कौशलों में पारंगत बनाना समय की मांग है।इस दृष्टि से उन्हें विभिन्न अध्ययन और करियर क्षेत्रों की जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित करियर मेला अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा । डॉ. शशिकांत त्रिपाठी प्रोफेसर एवं कृषि विशेषज्ञ , डॉ जय सिंह एसोसिएट प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय, श्रीमती आयुषी गौतम अधिवक्ता इलाहाबाद उच्च न्यायालय, राहुल कुमार उप निरीक्षक उप्र पुलिस ,
डॉ सुग्रीव सिंह काउंसलर मॉडल करियर सेंटर तथा अन्य विषय विशेषज्ञों ने अपने – अपने क्षेत्र से संबंधित उच्च अध्ययन एवं करियर विकल्पों की नवीन जानकारियां देकर बच्चों को करियर के प्रति प्रेरित किया। डॉ संतोष सिंह ने मेडिकल के क्षेत्र में प्रवेश से जुड़ी उपयोगी जानकारी दी। पंख पोर्टल प्रभारी डॉ मधु यादव ने कार्यक्रम रूपरेखा प्रस्तुत की। समस्त अधिकारियों एवं विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न संस्थाओं द्वारा लगाए गए स्टॉल्स का

अवलोकन किया। कैरियर गाइडेंस मेले का मुख्य आकर्षण मनोविज्ञान शाला,उप्र भारत स्काउट एंड गाइड, प्रयागराज, यूनाइटेड ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, यूपी ग्रामीण आजीविका मिशन, रेडियो अड्डा, एच.एन. सिंह डिग्री कॉलेज, ए के एस यूनिवर्सिटी सतना,मध्य प्रदेश,गणपत यूनिवर्सिटी गुजरात, पारुल यूनिवर्सिटी, लैक्मे सलून ,जन शिक्षण संस्थान. स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक, एवं इंस्टिट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरी ऑफ इंडिया के स्टॉल रहे। आभार प्रदर्शन सह जिला विद्यालय निरीक्षक विजय सिंह के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सभी राजकीय विद्यालयों के वोकेशनल ट्रेनर्स के द्वारा भी अपने स्टाल लगाए गए।मेले में उपस्थित छात्र-छात्राओं तथा अभिभावकों ने सभी स्टॉल्स का भ्रमण करके कैरियर गाइडेंस के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त करते हुए अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया । इस अवसर पीपी सिंह, शशिबाला चौधरी,मंजुलेश विश्वकर्मा ,सुनील कुमार,मोहम्मद रफीक,ज्योति सिंह,सरिता वर्मा,प्रतिज्ञा चौहान,बी एस यादव,रवि भूषण, के पी सिंह, के के त्रिपाठी ,सुषमा गुप्ता,नीलम चतुर्वेदी सहित विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य तथा लेखा प्रभारी विनय प्रकाश उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में रश्मि सिंह, डॉ रंजना यादव, इफ़्फत जिया ,वंदना,अनीता उत्तम, डॉ प्रीति मिश्रा, डा रेखाराम, मंजू श्रीवास्तव ,संध्या सैलानी, शुभदर्शिनी सिंह,मनीषा,वंदना पांडे,मृदुला यादव,पुष्पा शुक्ला, ज्योति अग्रवाल, किरन गुप्ता, पल्लवी श्रीवास्तव, रूपाली , क्षमा , कीर्ति पाण्डेय, चारु तथा समस्त स्टाफ का सहयोग रहा। संचालन डॉ प्रभाकर त्रिपाठी ने किया ।

पीआरवी द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए बाइक और ई-रिक्शा दुर्घटना में घायल 2 व्यक्तियों को उपचार हेतु अस्पताल भेजा गया

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक फतेहपुर के निर्देशन में यू०पी० 112 द्वारा किये जा रहे सराहनीय कार्य के क्रम में देर रात को पीआरवी 7247 को सूचना प्राप्त हुयी कि बारादरी, कोडा जहानाबाद में बाइक और ई-रिक्शा में टक्कर हो गयी है। जिसमें दो व्यक्ति घायल हो गए हैं। पीआरवी 7247 द्वारा तत्काल आवश्यक कार्यवाही करते हुए मौके(घटनास्थल) पर पहुंचकर पीआरवी कर्मियों ने आस-पास के लोगों की मदद व एंबुलेंस की सहायता से घायलों को उपचार हेतु अस्पताल भिजवाया गया । पीआरवी 7247 द्वारा किये गये इस कार्य की आम जनमानस द्वारा भूरिझ्भूरि प्रशंसा की गयी ।

मिशन शक्ति व एण्टीरोमियो टीम द्वारा महिलाओं/बालिकाओं को किया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार सिंह के निर्देशन में जनपद के सभी थानों द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर एण्टी रोमियो टीम द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, राष्ट्रीय पोषण योजना, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, आयुष्मान योजना, सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना, महिला शक्ति केन्द्र योजना, कन्या सुमंगला योजना आदि तथा सहायतार्थ उपलब्ध कराये गये विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साईबर क्राईम हेल्प लाईन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया ।

महाविद्यालय के स्वयंसेवकों के द्वारा निकल गई मतदाता जागरूकता रैली

सबसे तेज प्रयागराज

नवाबगंज। रामदुलारी बच्चू लाल जायसवाल पीजी कॉलेज नवाबगंज अटरामपुर प्रयागराज के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई प्रथम के द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। एकदिवसीय शिविर में मतदाता जागरूकता रैली निकालकर लोगों को जागरूक किया गया। स्वयं सेवकों के द्वारा मतदान के लिए शपथ ग्रहण किया गया। एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी प्रतिमा कुमारी ने सभी स्वयंसेवकों को अधिक से अधिक लोगों को मतदान के लिए प्रेरित करने के लिए कहा

इस कार्यक्रम में एनएसएस के वालंटियर ने अपने विचार रखें। इस कार्यक्रम में एनएसएस प्रभारी सोनू केसरवानी ,संयोजिका सपना साहू, प्रवक्ता आशुतोष कुमार, गणेश गुप्ता ,विवेक श्रीवास्तव ,विशाल पाठक आदि लोग उपस्थित रहे।

प्रदेश महामंत्री भाजपा उत्तर प्रदेश ने किया एसआईआर का निरीक्षण

राम सिंह यादव
सबसे तेज प्रयागराज

झूंसी। फूलपुर विधानसभा के मंडल झूंसी के शक्ति केंद्र अंतर्गत बूथ संख्या 241,242,243,244,245 एवं शक्ति केंद्र पंत संस्थान के बूथ संख्या 274 सहित एसआईआर कार्यलय का प्रदेश महामंत्री निरीक्षण प्रभारी त्रियम्बक त्रिपाठी द्वारा निरीक्षण किया गया और फॉर्म 6 की जांच की गई उन्होंने कहा कि एक एक मतदाता को वोटर लिस्ट में जोड़ना है कोई मतदाता सूची से छूटना नहीं चाहिए बीएलओ के पास मिलकर भाजपा कार्यकता फॉर्म 6 भराकर उसे बीएलओ से ऑनलाइन

करा दें तथा इस बात का ध्यान रखे कि कोई फर्जी मतदाता वोटर लिस्ट में जुड़ने ना पाए इस अवसर पर जिला गंगापार अध्यक्ष निर्मला पासवान, बहादुरपुर ब्लाक प्रमुख अरुणेन्द्र यादव, बाबूलाल भंवरा अरुण मिश्रा पिंटू नेता,कपिल पटेल, मानवेन्द्र सिंह, मण्डल अध्यक्ष झुंसी रोहित निषाद प्रभाकर दुबे मनीष द्विवेदी, सत्यम मिश्रा, विधायक मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी, भूपेन्द्र पांडेय आदि मौजूद रहे। इसी प्रकार प्रदेश महामंत्री भाजपा उत्तर प्रदेश त्रियंम्बक त्रिपाठी ने फाफामऊ विधानसभा के शक्ति केंद्र हथिगहां पर बूथ संख्या 318,319,320,321,322 पर एसआईआर का निरीक्षण किया और फॉर्म 6 की जांच की इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष गंगापार निर्मला पासवान, विधायक फूलपुर दीपक पटेल विधायक फाफामऊ गुरु प्रसाद मौर्या, जिला महामंत्री मनोज निषाद, पार्षद आरती मौर्या, आनंद पाण्डेय, जिला मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी, सुरेन्द्र मिश्रा, मिथलेश मौर्या आदि मौजूद रहे।

तीन दम्पति एक साथ रहने को हुए राजी

सबसे तेज प्रयागराज

बुलंदशहर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलन्दशहर के निर्देशन में वैवाहिक विवादों का त्वरित निस्तारण करने हेतु महिला सैल/परिवार परामर्श केन्द्र द्वारा प्रयास किया जा रहा है जिसके क्रम में गुरुवार को पति-पत्नी के परिवारिक विवाद सम्बन्धी मामले में दोनों पक्ष के लोग उपस्थित आये। महिला सैल/परिवार परामर्श केन्द्र द्वारा काउंसलिंग करने के परिणामस्वरूप दोनों पक्षों की समस्याओं को सुनते हुए 3 प्रार्थना पत्र में दोनों पक्षों द्वारा आपसी सहमति से सुलह समझौता कराया गया। दोनों पक्षों द्वारा आपस में एक- दूसरे को विश्वास दिलाया गया कि हम दोनों नवजीवन की नई शुरूआत करते हुए हंसी-खुशी अपना जीवन यापन करेगें। प्रभारी महिला सैल/काउंसलरों द्वारा दंपति को नवजीवन की शुरूआत की शुभकामनाएं देते हुए समझाया गया कि बीती बातों को लेकर विवाद नही करेंगे और आपस में प्यार से रहेगें।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। चार दिन पहले थाना मंझनपुर पर एक पीड़िता द्वारा सूचना दी गयी कि अभियुक्त राहुल द्वारा उसके साथ छेड़खानी/अश्लील हरकत की गयी है एवं अश्लील फोटों एडिट करके बायरल किया गया है प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना मंझनपुर पर तत्काल सुसंगत धाराओं मे अभियोग पंजीकृत किया गया । विवेचना के क्रम में साक्ष्य संकलन के आधार पर धारा 64(1) बीएनएस एवं 3/4 पॉक्सो एक्ट की बढोत्तरी की गयी उपरोक्त क्रम में गुरुवार को थाना मंझनपुर पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए मुखबिर खास की सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त राहुल कुमार पुत्र रोशनलाल निवासी नथई का पुरा शाखा बरीपुर थाना कोखराज जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया।

पास्को एक्ट का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अनूप कुमार सिंह के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में को थाना किशनपुर पुलिस द्वारा पॉक्सो एक्ट से सम्बन्धित वांछित बजरंग प्रसाद बघेल उर्फ बजरंगी पुत्र स्व0

किताब सिंह बघेल नि0 ईरफ दादर पारा थाना पाली जिला कोरबा राज्य छत्तीसगढ़ उम्र करीब 38 वर्ष को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया ।

पुलिस द्वारा वारंटी अभियुक्त गिरफ्तार

फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अनूप कुमार सिंह के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में गुरुवार को थाना चांदपुर पुलिस द्वारा एक्ट से सम्बन्धित वारंटी अभियुक्त रामबाबू पुत्र राजाराम निवासी ग्राम आजमपुरगढवा थाना चांदपुर जनपद फतेहपुर को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया ।

स्वरूपरानी नेहरू चिकित्सालय को एम्स बनाने की अमरपाल मौर्य ने राज्यसभा में उठायी मांग

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। राज्यसभा सदस्य अमरपाल मौर्य ने आध्यात्मिक, प्रशासनिक एवं न्याय का केंद्र प्रयागराज मंडल में स्थित स्वरूप रानी नेहरू मेडिकल कॉलेज को अ?खिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) का दर्जा दिए जाने की मांग संसद सदन में की। सांसद ने कहा कि यह न केवल प्रयागराज मंडल बल्कि कौशांबी, प्रतापगढ़, फतेहपुर, भदोही, मिजार्पुर, जौनपुर सहित बुंदेलखंड के चित्रकूट, बांदा, महोबा, हमीरपुर तथा मध्य प्रदेश के रीवा, सतना आदि जिलों की जनता के लिए स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक मील का पत्थर सिद्ध होगा।

सांसद ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा सदन में मामले का जिक्र करते हुए कहा कि जनसंख्या की दृष्टि से प्रयागराज के एसआरएन को एम्स बनाए जाने से चिकित्सा की सुविधा आम लोगों के लिए सहज, सरल और सस्ती भी होगी। उन्होंने कहा वर्ष 2014 के पहले देश में कुल सात एम्स संचालित थे जिनमें उत्तर प्रदेश के रायबरेली एम्स की प्रारं???भिक घोषणा भर हुई थी। किंतु मोदी सरकार में अब तक 23 एम्स स्वीकृत हो गए। केंद्र की मोदी सरकार चिकित्सा के क्षेत्र में बड़े कदम उठते हु? प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों की स्थापना निरंतर कर रही है और इसी प्रकार सरकर ने एमबीबीएस की 51348 सीटों में 130 प्रतिशत का बड़ा इजाफा करते हुए एक लाख अठारह हजार137 कर दिया है। यही नहीं मेडिकल की पीजी सीटों में भी उल्लेखीनय वृद्धि किया है। इससे चिकित्सा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की ओर देश बढ़ रहा है। इसे लेकर क्षेत्रीय लोगों के साथ ही छात्र-छात्राओं में भारी खुशी है।

नाबालिग को बहला-फुसला कर भगा ले जाने वाला वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । 22 जनवरी को थाना सराय अकिल पर एक वादी द्वारा सूचना दी गयी कि अभियुक्त राजेन्द्र मेरी नाबालिग पुत्री को बहला-फुसला कर भगा ले गया है । प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना सराय अकिल पर सुसंगत धाराओं मे अभियोग पंजीकृत किया गया था । उपरोक्त क्रम में गुरुवार थाना सराय अकिल पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए मुखबिर खास की सूचना के आधार पर मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त राजेन्द्र पुत्र चिरौली लाल निवासी केवट का पुरवा थाना सराय अकिल जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया गया ।

समाजसेवी ऋषि अग्रवाल को मिलेगी मानद डॉक्टरेट की उपाधि,1 फरवरी को दिल्ली में होंगे सम्मानित

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। संगम नगरी की माटी को गौरवान्वित करते हुए 'बाई का बाग' निवासी एवं वरिष्ठ समाजसेवी ऋषि अग्रवाल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक बड़ी उपलब्धि हासिल होने जा रही है। समाज सेवा, शिक्षा और पर्यावरण के क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान को देखते हुए 'वर्ल्ड कल्चर एनवायरमेंट प्रोटेक्शन कमीशन' (हउएढउ) ने उन्हें मानद डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित करने का निर्णय लिया है। इस प्रतिष्ठित सम्मान के लिए उन्हें आगामी 1 फरवरी को देश की राजधानी दिल्ली में आयोजित होने वाले भव्य दीक्षांत समारोह में आमंत्रित किया गया है। यह गौरवपूर्ण क्षण ऋषि अग्रवाल के उस सेवा संकल्प का परिणाम है, जिसे वे पिछले कई दशकों से पूरी निष्ठा के साथ निभा रहे हैं।

?ऋषि अग्रवाल का सेवा सफर केवल एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा है। वे पिछले कई वर्षों से शिक्षा के अधिकार को अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। विशेषकर निराश्रित और आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों के लिए नि:शुल्क शिक्षा एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव तैयार करना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। इतना ही नहीं, सामाजिक संवेदनशीलता का परिचय देते हुए श्री अग्रवाल ने विधवा महिलाओं के स्वावलंबन और

सम्मान के लिए भी अभूतपूर्व कार्य किए हैं। उन्होंने न केवल इन महिलाओं को कौशल विकास के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाया, बल्कि विभिन्न रोजगारपरक कार्यक्रमों के जरिए उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने में सेतु की भूमिका निभाई है। वर्तमान में श्री अग्रवाल सोशल सर्विस मिशन फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं तथा राष्ट्रीय मानवाधिकार सूचनाधिकार के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भी हैं।

?समाज के प्रति उनके इसी अडिग समर्पण का परिणाम है कि ऋषि अग्रवाल को अब तक राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 43 बार सम्मानित किया जा चुका है। उनकी सेवा यात्रा की व्यापकता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि समाज सेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को देखते हुए उन्हें पहले भी देश के प्रतिष्ठित 'पद्मश्री' पुरस्कार के लिए भी नामित किया गया था। प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ के दौरान भी उनके नेतृत्व में किए गए सेवा कार्यों और कुशल प्रबंधन की प्रशासनिक अधिकारियों और श्रद्धालुओं द्वारा व्यापक सराहना की गई थी। वे कई प्रतिष्ठित सामाजिक संस्थाओं और ट्रस्टों के साथ मिलकर स्वास्थ्य और जन-कल्याण के अभियानों को गति प्रदान कर रहे हैं।

?शिक्षा और महिला सशक्तिकरण के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी ऋषि अग्रवाल का गहरा लगाव रहा है। उन्होंने व्यापक वृक्षारोपण अभियानों के माध्यम से प्रकृति की सुरक्षा का संदेश दिया है, वहीं समय-समय पर रक्तदान शिविरों और नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कैंपों का आयोजन कर हजारों जरूरतमंदों को नया जीवन दिया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डॉक्टरेट की उपाधि मिलने की इस सूचना से प्रयागराज के प्रबुद्ध जनों, स्वयंसेवी संस्थाओं और नागरिक समाज में हर्ष व्याप्त है। स्थानीय लोगों का मानना है कि ऋषि अग्रवाल को मिलने वाला यह सम्मान वास्तव में उनकी वर्षों की तपस्या और संगम नगरी की सेवा संस्कृति का वैश्विक स्तर पर सम्मान है।

संतों ने यूजीसी के नये कानून पर रोक का किया स्वागत

जगदगुरू स्वामी शाडिल्य महराज ने किया स्वागत, कहा कि सुप्रीम कोर्ट धन्यवाद

मठ मछली बंदर मठ मे खेली गयी फूल, अबीर - गुलाल की होली

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी नरेन्द्रानंद सरस्वती महराज, अखिल भारतीय दण्डी संन्यासी परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी ब्राह्माश्रम महराज, पीठाधीश्वर स्वामी रामास्वामी शास्त्री महराज, श्रृंगवेरपुर धाम के जगदगुरू नारायणाचार्य स्वामी शाडिल्य महराज, जगदगुरू स्वामी रामसुभगदास बिनैका बाबा, ओम नमः शिवाय के पूज्य गुरूदेव और जगदगुरू स्वामी अनंताचार्य महराज (अमृतदास) दमोह ने यूजीसी के नये कानून पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा रोक लगाये जाने का स्वागत किया है। संतों ने कहा कि सरकार का काम लोगो और समाज को एक करना है ना कि विघटन करना है, यह समाज और देश को बांटने वाला कानून था। इसको लागू करके सरकार समाज और देश के लोगों को क्या और कैसा संदेश देना चाहती थी। संतो ने कहा कि सरकार को इस तरह का कदम उठाने से पहले सोचना चाहिए कि कोई भी ऐसा कदम ना उठाए जिससे कि समाज बंटे और लोगों के बीच में सामाजिक विघटन बढे। श्रृंगवेरपुर धाम के जगदगुरू स्वामी शाडिल्य महराज ने यूजीसी के नये कानून पर रोक का स्वागत किया है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि इस नये

कानून से जहां सामान्य वर्ग में व्यापक असंतोष था वही इस पर रोक लगाये जाने से राहत की सांस लिया है। स्वामी शाडिल्य महराज ने कहा कि सरकार को ऐसा कोई भी

कानून नही बनाना चाहिए जिससे समाज बंटे और लोगों में आक्रोश बढे। माघ मेला के सेक्टर-6 गंगोली शिवाला मार्ग पर लगे मठ मछली बंदर मठ में आज यूजीसी के नये कानून पर रोक को लेकर फूलों की होली

खेली गयी और सभी ने सुप्रीम कोर्ट को रोक लगाने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। संतों ने एक दूसरे के ऊपर अबीर, गुलाल और गुलाब के फूल डालकर होली खेली गयी। सभी संतों ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा यूजीसी के नये कानून पर रोक लगाने का स्वागत करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार समाज को बांटने वाला कोई कदम ना उठाये बल्कि सर्व समाज को लेकर साथ चले।फूलों की होली खेलने वालों में अखिल भारतीय दण्डी प्रबंधन समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी विमलदेव आश्रम, अखिल भारतीय दण्डी संन्यासी समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष पीठाधीश्वर स्वामी ब्राह्माश्रम महराज, महामंत्री पीठाधीश्वर स्वामी शंकराश्रम महराज, स्वामी गोविन्द आश्रम, स्वामी विमल आश्रम, स्वामी प्रणव आश्रम, स्वामी सुदर्शन आश्रम, स्वामी ब्रिजेन्द आश्रम, स्वामी महेन्द्र, स्वामी योगेंद्र सहित बडी संख्या में संत, सन्यासी और कल्पवासी शामिल हुए।

विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ घरों को विद्युत तंत्र का निर्माण योजना की प्रगति के सम्बन्ध में डीएम ने की बैठक

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। डीएम मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में गुरूवार को संगम सभागार में विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ भारत सरकार की अविद्युतीकृत घरों को विद्युत तंत्र का निर्माण कर संयोजन देने की योजना फ्लूर - वएलल की प्रगति के सम्बन्ध में बैठक आयोजित की गयी तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस योजना के अन्तर्गत जनपद प्रयागराज के 929 मजरों में विद्युतीकरण का कार्य किया जाना है और 19461 आवासों में विद्युत कनेक्शन निर्गत किये जाने का लक्ष्य है। अब तक 316 मजरों में विद्युतीकरण का कार्य पूर्ण हो चुका है। 186 मजरों का कार्य प्रगति पर है। इन मजरों में 10754 संयोजन निर्गत किये जाने थे परन्तु अभी तक मात्र संयोजन हेतु 5902 आवेदन ही प्राप्त हुये है। 424 मजरों में विद्युतीकरण का कार्य अभी आरम्भ नही हुआ है। इन मजरों में कनेक्शन के आवेदन प्राप्त होने पर ही विद्युतीकरण का कार्य आरम्भ किया जा सकेगा।

जिलाधिकारी द्वारा समस्त मजरों में सभी शेष आवासों में संयोजन लेने हेतु ग्रामवासियों को जागरूक करने के लिये प्रधानों व जनप्रतिनिधियों की मद्द लेने हेतु निर्देशित किया गया है तथा इस सम्बन्ध में जिला पंचायतीराज

अधिकारी के माध्यम से ग्राम प्रधानों/सचिवों को पत्र लिखकर उनसे संवाद करने हेतु निर्देशित किया गया है।

इसके साथ ही वर्तमान में घरेलू 2 कि0वा0 तक तथा वाणिज्यिक 1 कि0वा0 तक के विद्युत उपभोक्ताओं हेतु दिनांक 01.12.2025 से चल रही विद्युत बिल राहत योजना-2025 की भी समीक्षा की गयी। यह योजना तीन चरणों में लागू की गयी है, जिसका पहला चरण 31.12.2025 को समाप्त हो गया है, दूसरा चरण 31.01.2026 तथा तीसरा चरण 28.02.2026 तक है। तीनो चरणों में विद्युत उपभोक्ताओं को विद्युत बिल नवम्बर 2025 तक लगे ब्याज में 100 प्रतिशत छूट व प्रथम चरण में मूल में 25 प्रतिशत, द्वितीय चरण में मूल में 20 प्रतिशत तथा तृतीय चरण में मूल में 15 प्रतिशत की छूट दी जा रही है।

समीक्षा में पाया गया की जनपद प्रयागराज के यमुनापार तथा गंगापार क्षेत्र में इस योजना के अन्तर्गत 374927 उपभोक्ताओं का पंजीकरण कराया जाना है परन्तु दिनांक 28.01.2026 तक मात्र मात्र 90850 उपभोक्ताओं के द्वारा पंजीकरण कर लाभ प्राप्त किया गया है। शेष उपभोक्ताओं को योजना में पंजीकरण कराने हेतु विद्युत विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देशित किया गया।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी श्रीमती हर्षिका सिंह, मुख्य अभियन्ता(वितरण), प्रयागराज क्षेत्र-द्वितीय, प्रयागराज इं0 अशोक कुमार, तथा अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत वितरण मण्डल-प्रथम, प्रयागराज इं0 लोकेश चन्द्र उपस्थित रहें।

भरेहता में कांग्रेस ने लगाई मनरेगा बचाओ चौपाल

सबसे तेज प्रयागराज

बहरिया। गंगापार कांग्रेस के जिलाध्यक्ष अशफाक अहमद के नेतृत्व में वीरगंज भरेहता में मनरेगा बचाओ संग्राम अभियान के तहत चौपाल एंव एसआईआर की जटिलताओं को लेकर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर अहमद ने भाजपा को हिंदू-मुस्लिम के बीच सांप्रदायिकता फैलाने के लिए जिम्मेदार बताया। कहा कि महात्मा गांधी रोजगार गारंटी अधिनियम लागू नही किया जाता तब तक संघर्ष जारी रहेगा। आज देश में युवा, किसान, छात्र सभी परेशान हैं। भाजपा हर मोर्चे पर विफल है भाजपा सरकार की दमनकारी नीतियों के विरोध में जनता कमर कस चुकी है। आने वाले समय में जनता भाजपा को उखाड़ फेंकेगी और कांग्रेस पार्टी ही देश को सुशासन और न्याय देगी। कार्यक्रम का संचालन जिलासचिव शिव प्रसाद मौर्या ने किया। इस अवसर पर जिला महासचिव सुनील पाण्डेय, प्रभारी सददाम हुसैन सिद्दीकी, रमेश चन्द्र मौर्या, जगदीश प्रसाद मौर्या, ज्ञान चन्द्र मौर्या, अमर नाथ यादव, शहनवाज अंसारी,राम सजीवन मौर्या,अमृत लाल मौर्या, बसंत लाल प्रजापति, संजय,राजू मौर्या,राज बहादुर मौर्या आदि लोग रहे।

सनातन धर्म के संस्कारों का जीवन में करना चाहिए पालन : स्वामी नरेन्द्रानंद

कहा कि अन्तजार्तीय विवाह पर कड़ाई से लगे प्रतिबंध

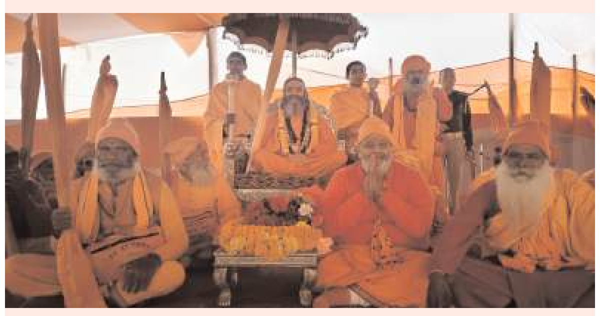

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। श्री काशी सुमेरु पीठाधीश्वर अनन्त श्रीविभूषित जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नरेन्द्रानन्द सरस्वती जी महाराज के माघ मेला शिविर त्रिवेणी मार्ग स्थित शिविर में आज धर्म संवाद पण्डाल में आयोजित सन्त सम्मेलन का आयोजन हुआ। शंकराचार्य स्वामी नरेन्द्रानन्द सरस्वती जी महाराज ने कहा कि सनातन धर्म के संस्कारों का पूर्णतया सभी को अपने जीवन में पालन करने की आवश्यकता है । इसके लिए सभी मठ - मंदिरों, आश्रमों और सभी सनातनी को अपने घरों में कम से कम एक गाय पालनी चाहिए क्योंकि गाय सदा से हमारे परिवार और राष्ट्र की समृद्धि का आधार रही है। उन्होने कहा कि अन्तजार्तीय विवाह पर कड़ाई से प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए ।

जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नरेन्द्रानन्द सरस्वती जी महाराज ने कहा कि किसी भी पद्धति से सम्पन्न होने वाले विवाह में माता-पिता या अभिभावक की स्वीकृति अनिवार्य होनी चाहिए । विवाह 14 - 15 वर्ष में हो और कन्या की विदाई 18 वर्ष की उम्र के बाद द्विरागमन (गौना) करके करना चाहिए । उन्होने कहा कि हर परिवार अपने बच्चों को बचपन से ही अच्छे संस्कार के साथ ही साथ उन्हें शौर्य प्रशिक्षण अवश्य दें, जिससे वह विषम परिस्थितियों में अपनी आत्मरक्षा कर सकें ।

शंकराचार्य स्वामी नरेन्द्रानन्द सरस्वती जी महाराज ने कहा कि यूजीसी के नये नियमों से समाज में विघटन पैदा होगा, और यह नियम संविधान द्वारा प्रदत्त समानता के अधिकारों का उल्लंघन भी करेगा । यह ना तो समाज के हित में है और ना ही देश के हित में है । अत: इन नियमों को तत्काल खत्म किया जाना चाहिए ।

बिन्नानी पीजी कॉलेज मीरजापुर के अवकाश प्राप्त प्रो (डा) सच्चिदानन्द तिवारी ने कहा कि देश विरोधी मैकाले शिक्षा पद्धति को समाप्त कर देश में समान शिक्षा नीति तत्काल लागू की जानी चाहिए । उन्होंने कहाकि देश में समान नागरिक संहिता व हर प्रकार के इस्लामी जिहाद के विरुद्ध भी वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किये । सन्त सम्मेलन को स्वामी नारद आश्रम, स्वामी बृजभूषणानन्द सरस्वती, स्वामी प्रकृष्टानन्द सरस्वती, दिल्ली यूनिवर्सिटी के डा वेदब्रत तिवारी, एडवोकेट मोहनलाल मिश्र सहित अन्य साधु-सन्यासियों ने भी सम्बोधित किया । सन्त सम्मेलन का संचालन स्वामी बृजभूषणानन्द सरस्वती ने किया।

कल्पवास से मिलती है आध्यात्मिक ऊर्जा : साध्वी रानी लक्ष्मी मां

धर्म गुरू, अंतर्राष्ट्रीय साध्वी ने शिष्यों को दिया आशीर्वाद

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। प्रयागराज के धर्म गुरू स्वामी रंजीत मिश्रा महराज और जगदगुरू जगदमाता अंतर्राष्ट्रीय साध्वी रानी लक्ष्मी मां ने आज माघ मेला के सेक्टर-6 ओल्ड जीटी रोड पर लगे शिविर में देश के कोने - कोने से बडी संख्या में आये शिष्यों को आशीर्वाद देते हुए उनके मंगल की कामना किया। धर्म गुरू स्वामी रंजीत मिश्रा महराज ने कहा कि सनातन धर्मावलंबियों के लिए तीर्थराज प्रयागराज का माघ मेला सबसे उत्तम तपस्या का स्थल है ऐसे

में सभी सनातन धर्मावलंबियों को माघ मास में आकर कम से कम एक बार कल्पवास करते हुए कथा, प्रवचन सुनते हुए दान करना चाहिए। उन्होंने कहा कि तीर्थराज प्रयागराज भगवान ब्राह्म की तपस्थली रही है उन्होंने सृष्टि निर्माण के लिए यहां के दशाश्वमेघ घाट (दारागंज) में पहला यज्ञ किया था, भगवान विष्णु ने अक्षयवट पर बच्चे के रूप मे अगूठा चूसते हुए विश्व को सृष्टि निर्माण का नया संदेश दिया था ऐसे में तीर्थराज सबसे बडी और सबसे पवित्र तपस्थली है।

जगदगुरू जगदमाता अंतर्राष्ट्रीय साध्वी रानी लक्ष्मी मां ने बताया कि बचपन से मेरा धर्म की तरफ रूझान था जिससे आज वेद, वेदांग, उप निषद, श्रीमदभागवद गीता का अध्ययन कर बहुत कुछ सनातन धर्म के बारे मे ज्ञान प्राप्त किया हू। उन्होंने बताया कि माघ मास में एक माह कल्पवास करके धार्मिक ज्ञान के साथ आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त किया जिससे अब विश्व में सनातन धर्म का प्रचार प्रसार करूगी और लोगों को जोडते हुए सनातन धर्म को और मजबूत करूंगी। उन्होंने बताया कि शिविर मे पूजन, हवन और विशाल भण्डारा माघी पूर्णिमा तक चलता रहेगा।

प्रयागराज महापंचायत में भाकियू (अराजनैतिक) का सख्त रुख, टिकैत गुट पर कार्रवाई तक नहीं होगा समझौता

किसान महापंचायत में गरजे राजेश सिंह चौहान, बोले—दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो सीएम से करेंगे शिकायत

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। संगम की पावन रेती पर माघ मेला क्षेत्र के परेड ग्राउंड में आयोजित भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) का तीन दिवसीय राष्ट्रीय किसान चिंतन शिविर और राष्ट्रीय किसान महापंचायत गुरुवार को सकुशल संपन्न हो गई। 27 जनवरी से 29 जनवरी तक चली इस महापंचायत में प्रदेश भर के हजारों किसानों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर संगठन की ताकत का अहसास कराया।

प्रशासन को बैरंग लौटाया, ज्ञापन देने से किया इनकार

महापंचायत के अंतिम दिन उस समय नाटकीय मोड़ आ गया जब राष्ट्रीय अध्यक्ष आदरणीय ठाकुर राजेश सिंह चौहान जी ने परेड ग्राउंड पहुंचे मजिस्ट्रेट और सहायक पुलिस आयुक्त जगदीश सिंह को ज्ञापन सौंपने से मना कर दिया ।

अध्यक्ष ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वे स्थानीय छोटे अधिकारियों को ज्ञापन देकर अपनी मांगों को ठंडे बस्ते में नहीं डालना चाहते । उनकी नाराजगी मुख्य रूप से जिला प्रशासन के उस रवैये को लेकर है, जो 26 जनवरी को हुई घटना के प्रति नरम बना हुआ है। महापंचायत के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कड़े तेवर दिखाते हुए आरोप लगाया कि 26 जनवरी को जिलाधिकारी कैंप कार्यालय पर राकेश टिकैत संगठन के लोगों द्वारा उपद्रव किया गया और पुलिस प्रशासन के साथ अभद्रता की गई। राजेश सिंह चौहान ने मांग की है कि उपद्रव करने वालों पर प्रशासन बड़ी और दंडात्मक कार्रवाई करे। उन्होंने एलान किया कि यदि दोषियों पर कार्रवाई नहीं की गई तो वे जल्द ही माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलकर पूरे मामले की शिकायत करेंगे । इस दौरान राष्ट्रीय संरक्षक बाबा राजेंद्र मलिक, राष्ट्रीय प्रवक्ता धर्मेंद्र मलिक राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मांगेराम त्यागी, बाबा श्याम सिंह प्रदेश नेतृत्व प्रदेश अध्यक्ष श हरि नाम सिंह वर्मा युवा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी दिगंबर सिंह स्थानीय नेतृत्व मंडल अध्यक्ष बबलू दूबे, प्रयागराज जिला अध्यक्ष शनि शुक्ला, युवा किसान नेता अंकित आदि लोग मौजूद रहे।

डीएम ने पायलटों की जान बचाने का अतिसराहनीय कार्य करने वाले पंकज, लाल साहब, आलोक को धनराशि भेंट कर किया सम्मानित

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। डीएम मनीष कुमार वर्मा के द्वारा गुरूवार को संगम सभागार में जनपद प्रयागराज में विद्यावाहिनी स्कूल के पास तालाब में प्रशिक्षण के दौरान गिरे विमान के दोनो पायलटो को सुरक्षित निकालकर उनकी जान बचाने का अतिसराहनीय कार्य करने वाले पंकज सोनकर, लाल साहब निषाद एवं आलोक यादव को जिला खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति के अंतर्गत प्रोत्साहन स्वरूप रू0 1,00,000/- की धनराशि भेट करते हुए सम्मानित किया गया, जिससे भविष्य में भी समाज में इस प्रकार के मानवीय एवं साहसिक कार्यों को बढ़ावा मिल सके। यह कार्य अत्यंत साहस, कर्तव्यनिष्ठा एवं मानवता का उत्कृष्ट उदाहरण है।

इनके इस साहसिक एवं सराहनीय कार्य से जनपद प्रयागराज की छवि गौरवान्वित हुई है। ऐसे कार्य समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं तथा अन्य नागरिकों को भी आपात परिस्थितियों में सहायता हेतु प्रेरित करते हैं। प्रशासन द्वारा उनके इस योगदान की भूरी-भूरी प्रशंसा की गई तथा उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

उल्लेखनीय है कि विद्यावाहिनी स्कूल के पास तालाब में प्रशिक्षण के दौरान ट्रेनी विमान के गिर जाने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटित हुई थी, जिसमें दो पायलटों की जान संकट में पड़ गई थी। घटना की सूचना प्राप्त होते ही घटना स्थल के पास के स्थानीय नागरिकों द्वारा अदम्य साहस, सूझबूझ एवं मानवता का परिचय दिया गया।

उक्त घटना में पंकज सोनकर, लाल साहब निषाद एवं आलोक यादव द्वारा तत्काल तालाब में उतरकर दोनों पायलटों को सुरक्षित बाहर निकालकर उनकी जान बचाई गई। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्रीमती पूजा मिश्रा, नगर मजिस्ट्रेट विनोद कुमार सिंह, क्षेत्रीय कीड़ाधिकारी, उप कीड़ाधिकारी, म्योहाल अदि लोग उपस्थित थे।

इफको नैनो उर्वरकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर । जनपद प्रयागराज में कोआपरेटिव रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट फूलपुर प्रयागराज में कृषि विभाग के अधिकारी,कर्मचारी व बिक्री केंद्र प्रभारियों का नैनो उर्वरकों के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि जिला कृषि अधिकारी के.के. सिंह जी ने सभी बिक्री केन्द्र प्रभारियों को किसानो को नैनो उर्वरकों के बारे में किस प्रकार से प्रयोग करने की सही विधि है उसको किसानो को सही जानकारी प्राप्त हो और किसान नैनो उर्वरकों की सही प्रकार से प्रयोग करे और इससे होने वाले लाभ को प्राप्त कर सके कार्यकम में कॉर्डेट प्रधानाध्यापक महोदय डॉ डी.के.सिंह जी सभी प्रभारियों को नैनो यूरिया प्लस,नैनो डीएपी, नैनो जिंक,नैनो कॉपर व अन्य जल विलेय उर्वरकों की प्रयोग विधि और परिणाम के बारे में विस्तार से चर्चा किया और प्रयोग करने की विधि और प्रयोग से होने वाले लाभ के बारे में विस्तार से चर्चा किया कार्यक्रम में क्षेत्र प्रबंधक अक्षय कुमार पांडेय द्वारा प्रभारियो को किसानो को असंतुलित दानेदार उर्वरकों को कम प्रयोग करने हेतु और नैनो उर्वरकों और अन्य जल विलेय उर्वरकों को प्रयोग करने के लिए किसानो को समझाया जाए जो हमारी मृदा व पर्यावरण के लिए लाभदायक हो और उपयोगी हो कार्यक्रम में उप जिला कृषि अधिकारी विकास मिश्रा,क्षेत्र प्रतिनिधि प्रयागराज अमित सिंह, इफको एम.सी. अरविंद द्विवेदी , केंद्र प्रभारी इफको प्रयागराज अमन सिंह और लगभग 70 बिक्री केंद्र प्रभारी भी उपस्थित रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में नाबालिग बालिका की मौत

आत्महत्या के लिए क्यों मजबूर हुई नाबालिग बालिका बड़ी जांच का विषय

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। संदीपन घाट थाना क्षेत्र के अंतर्गत पुलिस चौकी हर्रायपुर के छीतापुर गांव में गुरुवार की शाम लगभग 4 :00 बजे संदिग्ध परिस्थितियों में एक नाबालिग बालिका की मौत हो गई है परिजनों का कहना है कि बालिका ने पंखे में साड़ी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर लिया है हालांकि मौके पर पंखा टेढ़ा नहीं हुआ है जिससे आत्महत्या संदिग्ध प्रतीत होती है मामले की सूचना पुलिस चौकी को दिया गया है सूचना मिलते ही चौकी पुलिस मौके पर पहुंची है और नाबालिंग बालिका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है साड़ी का फंदा डालकर पंखे से आत्महत्या किए जाने के बाद पंखे के पर का टेढ़े ना होने पर सवाल खड़े हुए है।

जानकारी के मुताबिक यासमीन उम्र 16 वर्ष पुत्री सफीक निवासी छीतापुर की संदिग्ध परिस्थितियों में घर के अंदर गुरुवार को मौत हो गई है परिजनों का कहना है कि बालिका ने गुरुवार दिन में 4 :00 बजे पंखे से साड़ी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया है नाबालिग बालिका की मौत किन परिस्थितियों में हुई है पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत के कारण का खुलासा होगा पुलिस ने बालिका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है आखिर नाबालिग बालिका आत्महत्या के लिए क्यों मजबूर हुई है यह पुलिस के लिए बड़ी जांच का विषय है नाबालिक बालिका को कौन प्रताड़ित कर रहा था और किसके प्रताड़ना से प्रताड़ित होकर के नाबालिक बालिका ने इतना कठोर कदम उठाया है कि उसकी उसका जीवन समाप्त हो गया है नाबालिक बालिकाओं के संरक्षण के लिए सरकार ने तमाम कानून बनाए हैं लेकिन नाबालिक बालिकाओं के उत्पीड़न की घटनाओं पर रोक लगाती नहीं दिख रही है और आए दिन नाबालिक बालिकाओं के साथ जिले के विभिन्न क्षेत्रों में घटनाएं हो रही है जिससे बाल संरक्षण के लिए बनाए गए कानून पर तमाम सवाल खड़े हो रहे हैं कि बाल संरक्षण के कानून का पालन करवाने की जिम्मेदारी जिन अफसर पर है वह क्या कर रहे हैं।

मोबाइल चोरी करने वाला शातिर अभियुक्त हमजा' गिरफ्तार स्टेशन पर सघन चेकिंग के दौरान जीआरपी ने दबोचा

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। रेलवे पुलिस द्वारा अपराधियों और शातिर चोरों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जीआरपी प्रयागराज को एक महत्वपूर्ण सफलता हाथ लगी है। प्लेटफार्म संख्या 01 के पास से एक शातिर अभियुक्त को चोरी के मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया गया है। यह गिरफ्तारी अपर पुलिस महानिदेशक रेलवे और पुलिस अधीक्षक रेलवे प्रयागराज के कुशल निर्देशन में रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में बढ़ती चोरी, छिनैती व अवैध तस्करी को रोकने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत हुई है। क्षेत्राधिकारी रेलवे अरुण कुमार

पाठक के पर्यवेक्षण और प्रभारी निरीक्षक अखिलेश कुमार सिंह के नेतृत्व में जीआरपी टीम लगातार संदिग्धों पर नजर रख रही थी। 29 जनवरी को, जीआरपी थाना के उप-निरीक्षक अमर सिंह अपनी टीम के साथ गश्त पर थे। प्लेटफार्म संख्या 01 के दिल्ली एंड के पास स्थित डीएसए कॉलोनी गेट के समीप एक संदिग्ध युवक पुलिस को देखकर छिपने का प्रयास करने लगा। पुलिस टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए उसे घेराबंदी कर पकड़ लिया। पकड़े गए अभियुक्त की पहचान हमजा अहमद के रूप में हुई है। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से चोरी का एक अदद मोबाइल फोन बरामद हुआ। अभियुक्त के विरुद्ध थाना जीआरपी प्रयागराज में मुकदमा पंजीकृत कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस सफलता में उप-निरीक्षक अमर सिंह और उनकी टीम का विशेष योगदान रहा। जीआरपी का कहना है कि यात्रियों की सुरक्षा और उनके सामान की हिफाजत के लिए इस तरह के अभियान और अपराधियों की धरपकड़ आगे भी जारी रहेगी।

ट्रेन में यात्रियों की सुरक्षा एवं अपराध नियंत्रण को लेकर डीजी रेलवे द्वारा की गई समीक्षा गोष्ठी

सबसे तेज प्रयागराज

लखनऊ । डीजी रेलवे प्रकाश डी0 द्वारा पुलिस महानिरीक्षक रेलवे लखनऊ रामकृष्ण भारद्वाज व अपर पुलिस अधीक्षक/स्टाफ ऑफिसर अनिल कुमार की उपस्थिति में राजकीय रेलवे पुलिस के सभी अनुभागों की आनलाइन समीक्षा गोष्ठी की गई। इस समीक्षा गोष्ठी में पुलिस महानिरीक्षक रेलवे प्रयागराज एन.कोलांची व समस्त पुलिस अधीक्षक रेलवे व क्षेत्राधिकारी रेलवे मौजूद रहे।

डीजी द्वारा समीक्षा गोष्ठी में ट्रेन में यात्रियों की सुरक्षा एवं अपराध नियंत्रण पर विस्तृत चर्चा करते हुए सर्व सम्बन्धित को दिशा-निर्देश दिये कि अभ्यस्त/पुराने अपराधियों के सत्यापन/निगरानी की स्थिति व सनसनीखेज अपराधों जैसे हत्या/बलात्कार/मोबाइल चोरी एवं बच्चा चोरी आदि घटनाओं की समीक्षा करते हुए सर्व सम्बन्धित को निर्देशित किया कि पत्थरबाजी की समीक्षा करते हुए रोकथाम हेतु ब्लैक स्पॉट चिन्हित करते हुए कार्य योजना तैयार कर प्रभावी अनुपालन हेतु निर्देशित किया गया जिससे ट्रेनों में होने वाली पत्थरबाजी घटनाओं की रोकथाम की जा सके।

ई-ऑफिस के क्रियान्वयन के समीक्षा करते हुए सभी थानो/चौकियों के अभिलेखों को अद्यतन करने हेतु सर्व रेलवे स्टेशन के प्रवेश/निकास द्वार एवं प्लेटफार्म की सुरक्षा सुदृढ़ कर आने जाने वाले संदिग्ध लोगों पर निगरानी व पूंछतांछ करने हेतु सर्वसम्बन्धित को निर्देशित किया गया।

आक्रोशित आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों ने डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

मुख्यमंत्री को संबोधित मांग पत्र डीएम को सौंपा

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । आंगनवाड़ी और सहायिकाओं ने शासन स्तर पर कई वर्षों से लबित मांगों को लेकर प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर बृहस्पतिवार को प्रयागराज जनपद के विभिन्न ब्लॉकों से हजारों की संख्या में जुटी आंगनवाड़ी और सहायिकाओं ने पीडब्लू कार्यालय से जुलूस निकाल कर नारेबाजी करते हुए विकास भवन होकर डीएम कार्यालय पहुंची जुलूस का नेतृत्व संघ के मंडल सत्तरक्षक संतोष मिश्र जिला संरक्षक मौजी लाल रावत एवं श्रमिक नेता प्रदेश प्रभारी श्याम सूरत पांडेय ने करते हुए केंद्र सरकार एवं प्रदेश की योगी सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि वर्तमान सरकारें आंगनवाड़ियों से काम

ज्यादा ले रही है लेकिन काम के बदले इन्हें उचित दाम नहीं दे रही है इससे आंगनवाड़ियों में गहरी नरंगी है। उपरोक्त नेताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री यदि 8 मार्च के पहले मांग पत्रों गंभीरता पूर्वक लागू नहीं किए तो अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सभी आंगनवाड़ी और सहायिकाएं संयुक्त मोर्चा के बैनर तले लखनऊ पहुंच कर बड़ा आंदोलन करने पर बाध्य होंगी।

आंगनवाड़ियों की प्रमुख मांग है कि इन्हें सरकारी कर्मचारी घोषित किया जाए इन्हें न्यूनतम बेतन के साथ पेंशन और ग्ग्रेच्युटी का लाभ दिया जाए कई बार सरकार ने वादा किया किंतु सरकार अपने वादे से मुकर जा रही है अब सरकार से आर पार की लड़ाई लड़ने के लिए गीतांजी मौर्य ने संयुक्त मोर्चा बनाकर लंबी लड़ाई लड़ने की योजना बनाई है जिसमें सभी आंगनवाड़ी और सहायिकाएं लाम बंद हो गई है।

इस मौके पर उठा,शंकर गढ़,मंडा, कौंधियारा,फूलपुर,होलागढ़,मऊआइमा, कौड़ीहार जसरा, मेजा सोरॉंव, बहरिया , धनुपुर, बहादुर पुर, चाका, हंडिया, कोरॉंव सहित आदि ब्लाकों की हजारी आंगनवाड़ी और सहायिकाएं मौजूद रही।

संपादकीय

पर्यवारण को बचाने की जरुरत

आज पर्यवारण पर ध्यान देना बहुत जरुरी है नहीं तो बीमारी को निमंत्रण देंगें,पर्यावरण शब्द का निर्माण दो शब्दो से मिलकर बना है झ्र ह्लपरिह्व और ह्लआवरणह्व अर्थात वह आवरण जो हमें चारों और से घेरे हुआ है उसे पर्यावरण कहते है. हर साल 5 जून को पर्यावरण दिवस मनाया जाता है. यह दिवस संयुक्त राष्ट्र द्वाराराजनैतिकऔर सामाजिक जाग्रति लाने के लिये घोषित किया गया है. सबसे पहला पर्यावरण दिवस 5 जून 1973 को मनाया गया था.पर्यावरण मेजैविक जैसे कि जीवाणु, कीड़े मकोड़े, पेड़ पौधों से लेकर हमसभी इंसान शामिल है. जबकि अजैविक तत्वों में निर्जीव तत्व जैसे पर्वत, चट्टानें नदी आदि शामिल हैं.मनुष्य द्वारा की जाने वाली सारी क्रियाएँ पर्यावरण को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती हैं.विज्ञान के क्षेत्र मे असीमित प्रगति का असर पर्यावरण पर पड़ा है. आज मानव विज्ञान के क्षेत्र में नये-नये आविष्कार कर रहा है. लेकिन इन आविष्कारों के कारण वह प्रकृति पर पूर्णतया विजय प्राप्त करना चाहता है. इस कारण प्रकृति का संतुलन बिगड़ रहा है. धरती पर जनसंख्या वृद्धि का असर भी पर्यावरण पर रहा है. औद्योगीकरण तथा शहरीकरण की तीवृ गतिप्रकृति के हरे भरे क्षेत्रों को समाप्त कर रही है. हमारी प्रथ्वी पर पेड़-पौधे, हवा, पानी है तो हम है.आज इंसान प्रथ्वी पर बहुत ज्यादा अन्याय कर रहा है. दुनिया कंक्रीट की होती जा रही है. पेड़-पौधे काटे जा रहें हैं. जिसके कारणवर्षा कम हो गयी है, सूखा पड़ रहा है. आजधरती पर सबसे बड़ी समस्या जल की है. आज हमें बारिश के पानी को संग्रहित करने की आवश्यकता है. इसके लिये हमें बड़े स्तर पर तालाब, पोखर बनाने की जरुरत है. आजकल वाटर मेंनेजमेंट को लेकर कई संस्थान बहुत सारे कोर्सेस चला रहें हैं. जिसमे वाटर साइंटिस्ट, वाटर मेंनेजर, हाइड्रो जियोलाजिस्ट, बायोलाजिस्ट, वाटर कंजरबेशनिस्ट आदि बनाने के मौके बढ़ गए हैं.आज प्रदूषण के कारण सारी धरती प्रदूषित हो रही है और ऐसा ही रहा तो मानव सभ्यता का अंत निश्चित है. पर्यावरण प्रदूषण के बहुत से दुष्प्रभाव है जो अत्यंत घातक है; जैसे परमाणु विस्फोटो से वायुमंडल का तापमान बढ़ना, ओजोन परत का क्षतिज होना, मृदा क्षरण आदि. पर्यावरण सरंक्षण को ध्यान में रखते हुए 1992 मे ब्राजील में एक ह्यपृथ्वी सम्मेलनह्ल आयोजित किया गया जिसमे विश्व के 174 देशों ने हिस्सा लिया. इसके बाद सन 2002 में जोहान्सवर्ग में प्रथ्वी सम्मेलन आयोजित किया गया. जिसमें पर्यावरण सरंक्षण पर अनेक उपाय सुझाए गए.हमें अपने पर्यावरण को बेहतर बनाना चाहिए, इसके लिए सबसे पहले हमें जल को बचाना पड़ेगा. फैक्ट्रियों का गंदा पानी नदियों में न जाये इसका विशेष ध्यान रखना पड़ेगा. कारखानों का गंदा पानी सीवर लाइन के गंदे पानी को नदियों में जाने से रोकना होगा, जिससे की हम इंसान और समस्त प्राणीजगत गंदे पानी से होने वाली बीमारियों से बच सकें. प्रदूषित पानी को हम अपनी खेती में न डालें.हमें अपने बच्चों को पर्यावरण सुरक्षा पर समुचित ज्ञान समय-समय पर देते रहना चाहिए. उनको पर्यावरण के बारे में जानकारी दे.जल प्रदूषण के साथ-साथ वायु प्रदूषण ने भी हमारे पर्यावरण को बहुत हानिपहुंचाई हैं. बड़े-बड़े कारखानों की चिमनियों से निकले गंदे धुए, ए.सी. इनवर्टर, जैनरेटर आदि से निकली कार्बन डाइआक्साइड, नाइट्रोजन आदि गैसे वायुमंडल में घुलती रहती है. जिससे की हमारा वायुमंडल प्रदूषित होता रहता है.ध्वनि प्रदूषण भी पर्यावरण को प्रदूषित करता है. बच्चे के जन्म की खुशी, शादी पार्टी आदि में डी.जे. आवश्यक हो गया है इन सभी ध्वनि प्रदूषण से भी हमारी धरती प्रदूषित हो रही है.आज समूचा विश्व जलसंकट की समस्या से गुजर रहा है. आज हमें जल को संग्रहित करने के लिये बड़े स्तर पर वाटर हारवेस्टिंग, कंजबेशन और मेंनेजमेंट पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है. जिससे कि पानी को हम संग्रहित कर सकें तथा संग्रहित किया गया जल हमारी खेती के काम आ सके.हमने जो धरती से लिया है वह धरती को वापस करना पड़ेगा अगर नहीं किया तो धरती पर असंतुलन पैदा हो जायेगा।

जजों द्वारा सरकार के खिलाफ फैसले, सजा और ट्रांसफर तय?

(लेखक- सनत जैन)

भारत में न्याय पालिका को संविधान ने सर्वोच्च स्थान पर रखा है। विधायिका और कार्यपालिका के कार्यों की समीक्षा तथा अंतिम फैसला करने का अधिकार संविधान ने न्यायपालिका को दिया है। अब ऐसा ऐसा लगने लगा है, न्यायपालिका सरकार के अधीन है। सरकार के दबाव में हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जज फैसला करने के लिए बाध्य हैं। यदि जज सरकार की अनुकूलता के अनुसार फैसला नहीं देते हैं, तो पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से जजों के ट्रांसफर किए जा रहे हैं, जिस तरह से उनकी वरिष्ठता क्रम को नजर अंदाज करते हुए, उनकी नियुक्तियां की जा रही हैं। उसको लेकर अब विरोध खुलकर सामने आने लगा है। न्यायपालिका की कॉलेजियम व्यवस्था, हाईकोर्ट ?र सुप्रीम कोर्ट के फैसलों पर सवालिया निशान लगना शुरू हो गए हैं। यह स्थिति भारतीय संविधान, लोकतंत्र और न्यायपालिका के अस्तित्व पर बहुत बड़ा सवाल खड़ा करने लगी है। कॉलेजियम की अनुशंसा पर सरकार का विधि मंत्रालय ट्रांसफर आदेश जारी करता है। कॉलेजियम की अनुशंसा में यह उल्लेख होने लगा है, यह अनुशंसा सरकार के अनुरोध पर की गई है। जो अपने आप कॉलेजियम की अधिकारिता को दर्शा रही है। सुप्रीम कोर्ट के जज उज्ज्वल भुइयाँ ने सार्वजनिक रूप से न्यायपालिका के ऊपर कार्यपालिका के प्रभाव को स्वीकार किया है। जजों की नियुक्ति, ट्रांसफर और पोस्टिंग में जिस तरह का हस्तक्षेप सरकार द्वारा किया जा रहा है, उदाहरण स्वरुप हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में एक जज की नियुक्ति हुई है। उस नियुक्ति में 56 जजों की वरिष्ठता को नजर अंदाज किया गया। इसके बाद न्यायपालिका में खदर-बदर मची हुई है। सुप्रीम कोर्ट में जूनियर जजों को महत्वपूर्ण मामले दिए जा रहे हैं। सीनियर जजों को कम महत्व के मामले दिए जाते हैं। न्यायपालिका में जिस तरीके से न्याय हो रहा है, उस पर बड़ा प्रश्न चिन्ह लगने लगा है। हाल ही में कई जजों के ऐसे ट्रांसफर किए गए हैं, जो उनके फैसलों के कारण हुए हैं। दिल्ली दंगे के दौरान दिल्ली हाईकोर्ट के एक जज ने हेट स्पीच को लेकर एक फैसला दिया था। फैसला देने के तुरंत बाद रातों-रात उस जज का ट्रांसफर कर दिया गया। हाल ही में न्यायमूर्ति श्रीधरन का ट्रांसफर सरकार के अनुरोध पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में किया गया। उन्होंने मध्य प्रदेश शासन के मंत्री विजय शाह द्वारा एक महिला सेवा अधिकारी पर आपत्तिजनक टिप्पणी को संज्ञान मे लिया था। हेट स्पीच को लेकर दमोह के एक मामले में कार्यवाही की थी। नर्सिंग कॉलेजों में जो घोटाला हो रहा था, इसकी सीबीआई जांच के आदेश दिए थे। इसी तरह पैरामेडिकल कॉलेज जो बिना किसी मान्यता के चल रहे थे, उन पर रोक लगाई थी। सरकार उनके फेसलों से नाराज थी। कॉलेजियम ने उनका ट्रांसफर छत्तीसगढ़ करने की अनुशंसा की थी। बाद में सरकार के हस्तक्षेप से उन्हें इलाहाबाद हाईकोर्ट भेजा गया। जहां पर उनकी वरिष्ठता खत्म हो गई। अब वह चीफ जस्टिस नही बन पाएंगे। ना सुप्रीम कोर्ट जा पाएंगे। जबकि छत्तीसगढ़ की वरिष्ठता के आधार पर वह सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच सकते थे। इस तरह के एक नही बहुत सारे मामले, पिछले कुछ वर्षों में देखने को मिले हैं। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जिन जजों ने सरकार के पक्ष में फैसला नहीं दिया, उन जजों को प्रताड़ित करने का काम कॉलेजियम के माध्यम से सरकार द्वारा किया गया है। जिसके कारण न्यायपालिका की साख आम आदमी की नजरों में कम होती चली जा रही है। इस बात का उल्लेख कोई और नहीं, बल्कि सुप्रीम कोर्ट के वर्तमान जज भुइयां ने सार्वजनिक कार्यक्रम में किया है। जजों की नियुक्ति, ट्रांसफर और पोस्टिंग में कार्यपालिका द्वारा जिस तरह का दबाव कॉलेजियम और जजों के ऊपर बनाया जा रहा है। उनका कहना था, न्यायिक तबादले केवल न्याय के बेहतर प्रशासन के लिए होने चाहिए। अब ट्रांसफर, पोस्टिंग कार्य पालिका के दबाव में सजा के रूप में की जा रही है। इस दखल को उन्होंने गंभीर चिंता का विषय बताया है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा है, एक बार न्यायपालिका की विश्वसनीयता खत्म हो गई, तो संविधान और लोकतांत्रिक व्यवस्था को बनाए रखना किसी के वश में नहीं होगा।

सीजफायर के इर्द-गिर्द घूमती राजनीति

प्रफुल्ल पलसुलेदेसाई

कभी-कभी किसी खबर को पढ़कर सबसे पहले जो भावना आती है, वह गर्व या क्रोध नहीं होती–बल्कि एक हल्की-सी असहजता होती है। जैसे कोई परिचित सच अचानक आईने में कुछ ज्यादा साफ दिखाई देने लगे। भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर को लेकर आई यह ताजा रिपोर्ट भी कुछ वैसा ही अनुभव देती है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के दावे–कि सीजफायर में उनकी भूमिका निर्णायक थी–को भारत ने पहले भी खारिज किया था। भारत का कहना नया नहीं हैः पाकिस्तान ने स्वयं फोन किया, हालात उसके नियंत्रण से बाहर जा चुके थे। अब एक स्विस थिंक टैंक इस दावे की पुष्टि करता है। तकनीकी विश्लेषण, ऑपरेशनल विवरण, और 88 घंटों के संघर्ष का बारीक अध्ययन। सब कुछ मौजूद है।

फिर भी मन ठहर जाता है। सवाल सिर्फ. यह नहीं है कि किसने फोन किया। सवाल यह है कि आज की दुनिया में युद्ध, कूटनीति और नैरेटिव–तीनों का संतुलन आखिर तय कौन करता है?

युद्ध से ज्यादा, उसकी व्याख्या

स्विट्जरलैंड के सेंटर फॉर मिलिट्री हिस्ट्री एंड पर्सपेक्टिव स्टडीज की रिपोर्ट एक सैन्य दस्तावेज भर नहीं है। वह इस बात की भी गवाही है कि आधुनिक संघर्ष सिर्फ.जमीन या आसमान में नहीं लड़े जाते, वे हेडलाइनों में भी लड़े जाते हैं।

रिपोर्ट बताती है कि कैसे अंतरराष्ट्रीय मीडिया का ध्यान भारत द्वारा पाकिस्तान की एयर डिफेंस और स्ट्राइक क्षमताओं को व्यवस्थित ढंग से नष्ट करने से हटकर, पाकिस्तान के राफेल गिराने के दावों पर टिक गया। यह कोई मासूम चूक नहीं लगती।

यहाँ एक असहज प्रश्न उठता है–क्या आज सैन्य सच्चाई से ज्यादा महत्वपूर्ण उसकी दृश्यता हो गई है? अगर किसी कार्रवाई को सही कैमरा एंगल, सही बयान और सही समय पर जारी नहीं किया गया, तो क्या वह कार्रवाई अधूरी मानी जाएगी?

88 घंटे और एक लंबा साया

88 घंटे का संघर्ष–कागज पर यह सिर्फ. साढ़े तीन दिन हैं। लेकिन सैन्य इतिहास में यह एक निर्णायक खिड़की होती है। रिपोर्ट बताती है कि पहलगाम हमले के बाद भारत ने प्रतिक्रिया में देरी नहीं की। 7 मई की सुबह भारतीय वायु सेना ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को

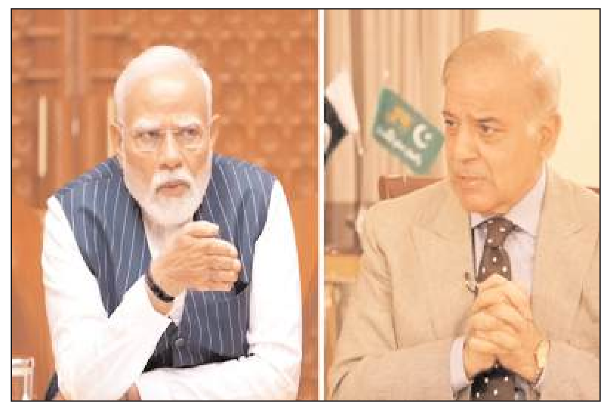

निशाना बनाया।

यह तुरंत की गई कार्रवाई नहीं थी, बल्कि ऐसी प्रतिक्रिया थी जिसमें सेना को योजना बनाने की पूरी छूट दी गई। यह बात ध्यान देने योग्य है। लोकतांत्रिक देशों में अक्सर सैन्य कार्रवाई राजनीतिक माइक्रो-मैनेजमेंट का शिकार हो जाती है। यहाँ ऐसा नहीं हुआ–कम से कम रिपोर्ट यही संकेत देती है।

लेकिन क्या यह हमेशा अच्छा संकेत होता है? जब सेना को पूरी छूट दी जाती है, तो जवाबदेही का प्रश्न और भी गहरा हो जाता है। इस सवाल का उत्तर रिपोर्ट नहीं देती, और शायद देना भी नहीं चाहती।

तकनीक की लड़ाई, मनोबल का युद्ध

पाकिस्तान ने चीन से प्राप्त ढछ-15 लंबी दूरी की एयर-टू-एयर मिसाइलों और एयरबोर्न अर्ली वार्निंग सिस्टम का इस्तेमाल किया। यह तथ्य अपने-आप में बताता है कि यह संघर्ष सिर्फ. भारत-पाकिस्तान का नहीं था; इसमें तीसरी शक्तियों की परछाइयाँ भी थीं।

इसके जवाब में भारत ने रउअछढ-एऋ और ब्रह्मोस जैसी स्टैंडऑफ क्रूज मिसाइलों से पाकिस्तान के सरफेस-टू-एयर मिसाइल नेटवर्क और रडार कवरेज को ध्वस्त किया। यह तकनीकी विवरण पढ़ते समय एक अजीब-सी दूरी महसूस होती है। जैसे हम किसी वीडियो गेम का स्तर पढ़ रहे हों–जहाँ हर हथियार एक एसेट है, हर रडार एक टारगेट।

लेकिन इन तकनीकी शब्दों के पीछे मनोबल टूटता है। जब रडार अंधे हो जाते हैं, तो सिर्फ. मशीनें नहीं चुप होतीं–पूरे कमांड ढाँचे में असमंजस फैल जाता है। शायद यहीं से पाकिस्तान का आत्मविश्वास दरकना शुरू हुआ।

शुरूआती जीत का भ्रम

रिपोर्ट बताती है कि पाकिस्तान ने शुरूआती जीत का दावा किया। यह दावा असामान्य नहीं है। लगभग हर संघर्ष में शुरूआती बयान मनोवैज्ञानिक युद्ध का हिस्सा होते हैं।

लेकिन समस्या तब होती है जब यह दावा अपनी ही जनता के लिए बोला जाने लगे। जब राजनीतिक नेतृत्व अपने नागरिकों को यह विश्वास दिलाने लगे कि सब नियंत्रण में है–जबकि सैन्य वास्तविकता कुछ और कह रही हो।

10 मई तक, रिपोर्ट के अनुसार, खेल पलट चुका था। भारत ने पाकिस्तान के मुख्य एयर बेस पर हमले शुरू कर दिए थे। कअउउउर नेटवर्क, आकाशतीर सिस्टम, आकाश, बराक-8 और र-400 जैसी लेयर्ड एयर डिफेंस प्रणालियों का इस्तेमाल–यह सब एक ऐसी तस्वीर बनाता है जिसमें पाकिस्तान के विकल्प सिमटते चले गए।

यहीं वह क्षण आता है जहाँ रणनीति और मनोविज्ञान एक-दूसरे से टकराते हैं। क्या उस समय पाकिस्तान के पास वास्तव में कोई सैन्य विकल्प बचा था, या सिर्फ. एक राजनीतिक निर्णय?

सीजफायरः हार या विवेक?

स्विस थिंक टैंक का दावा है कि इसके बाद पाकिस्तान ने सीजफायर की मांग की। भारत का यही स्टैंड पहले से रहा है।

लेकिन क्या सीजफायर हमेशा हार का संकेत होता है? या कभी-कभी वह विवेक का आखिरी प्रयास भी हो सकता है?

यह सवाल इसलिए जरूरी है क्योंकि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में सीजफायर को अक्सर नैतिक जीत की तरह पेश किया जाता है–देखिए, हमने युद्ध रुकवा दिया। ट्रंप का दावा इसी श्रेणी में आता है।

पर अगर सीजफायर उस क्षण माँगा जाए जब सैन्य संतुलन पूरी तरह बिगड़ चुका हो, तो उसका नैतिक मूल्य क्या रह जाता है? क्या वह शांति का आग्रह है, या नुकसान सीमित करने की कोशिश?

बोर्ड परीक्षा के दौरान तनाव और चिंता से कैसे बचें

डॉ. विजय गर्ग

बोर्ड परीक्षाएं छात्र के शैक्षणिक जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण होती हैं। वे अक्सर दबाव, अपेक्षाएं और अज्ञात का डर लेकर आते हैं। हालांकि तनाव का एक निश्चित स्तर छात्रों को अध्ययन करने के लिए प्रेरित कर सकता है, लेकिन बहुत अधिक तनाव और चिंता एकाग्रता, स्मृति और समग्र कल्याण को नुकसान पहुंचा सकती है। इस दबाव को प्रबंधित करना सीखना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि परीक्षा की तैयारी। तनाव कम करने का सबसे प्रभावी तरीका उचित योजना बनाना है। एक यथार्थवादी अध्ययन समय-सारिणी बनाने से विशाल पाठ्यक्रम को छोटे, प्रबंधनीय भागों में विभाजित करने में मदद मिलती है। जब छात्रों को पता होता है कि उन्हें क्या पढ़ना है और कब, तो उनमें भारीपन की भावना कम हो जाती है। इससे नियंत्रण की भावना भी पैदा होती है, जो स्वाभाविक रूप से चिंता को कम करती है। नियमित ब्रेक और संतुलित दिनचर्या समान रूप से महत्वपूर्ण हैं।

लंबे समय तक लगातार अध्ययन करने से मन थक सकता है। छोटे-छोटे ब्रेक, हल्के स्ट्रेचिंग या त्वरित सैर मस्तिष्क को तरोताजा कर सकती है और ध्यान केंद्रित करने में सुधार कर सकती है। इसके साथ ही, पर्याप्त नींद लेना भी आवश्यक है। नींद स्मृति को सुदृढ़ करने में मदद करती है और भावनाओं को स्थिर रखती है। देर रात तक बैठने से चिंता बढ़ सकती है और प्रदर्शन कम हो सकता है। स्वस्थ भोजन और जलयोजन भी तनाव प्रबंधन में भूमिका निभाते हैं। पौष्टिक भोजन, फल और भरपूर पानी ऊर्जा के स्तर को स्थिर रखता है। अत्यधिक कैफीन या जंक फूड से बेचैनी बढ़ सकती है और नींद में खलल पड़ सकता है, जिससे चिंता बढ़ती है। एक अन्य शक्तिशाली उपकरण सकारात्मक सोच और आत्म-चर्चा है। कई छात्र लगातार यह सोचकर अनावश्यक भय पैदा करते हैं कि, ह्लअगर मैं असफल हो जाऊं तो क्या होगा?ह्व या ह्लमैं ऐसा नहीं कर सकता। ऐसे विचारों को सकारात्मक विचारों से प्रतिस्थापित करने से, जैसे कि ह्लमैं तैयार हूं, मैं तैयार हूं या मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करूंगाह्व आत्मविश्वास बढ़ता है। गहरी सांस लेने, ध्यान करने या सरल विश्राम अभ्यास से घबराहट के क्षणों में मन शांत हो सकता है। दोस्तों या सहपाठियों के साथ तुलना करने से बचें। प्रत्येक छात्र की गति, सीखने की शैली और ताकत अलग-अलग होती है। अंकों, अध्ययन के घंटों या मॉक टेस्ट स्कोर की तुलना करने से केवल दबाव बढ़ता है और आत्म-सम्मान कम होता है। दूसरों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के बजाय अपनी प्रगति पर ध्यान केंद्रित करें। माता-पिता, शिक्षकों और मित्रों का समर्थन योजना के साथ ह्लअज्ञातह्व पर विजय प्राप्त करें चिंता अक्सर

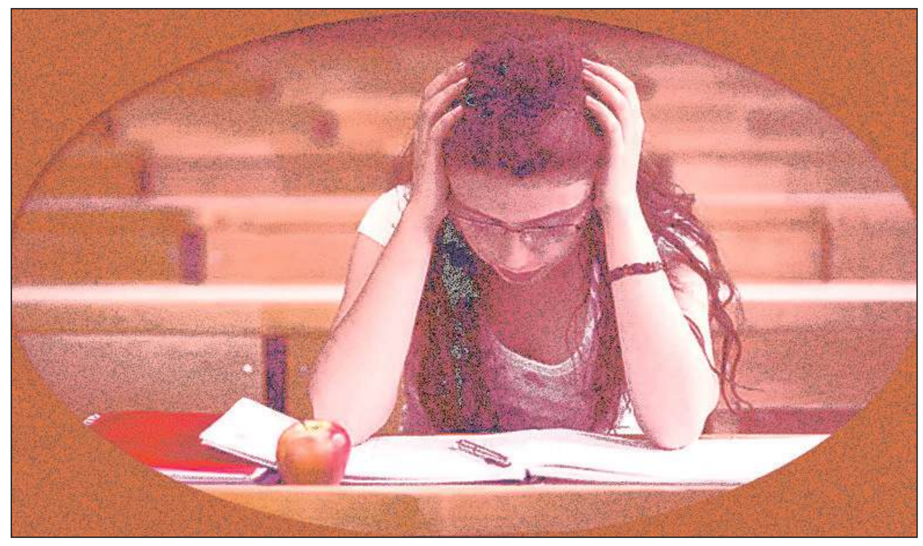

नियंत्रण से बाहर होने की भावना से उत्पन्न होती है। संरचना इसके लिए सबसे अच्छा उपाय है। छोटे-छोटे टुकड़ों की शक्तिः 200 पृष्ठों वाली पाठ्यपुस्तक को देखने के बजाय, उसे ह्लसूक्ष्म लक्ष्योंह्व में विभाजित करें एक विशिष्ट अध्याय को पूरा करना जीत जैसा लगता है, जिससे डोपामाइन निकलता है और तनाव कम होता है। यथार्थवादी समय-सारिणीः ऐसे ह्लआकांक्षीह्व कार्यक्रम से बचें जो सांस लेने के लिए समय नहीं देते। एक अच्छी योजना में 50 मिनट का अध्ययन और उसके बाद 10 मिनट का ब्रेक (पोमोडोरो तकनीक) शामिल होता है। कमजोर क्षेत्रों को प्राथमिकता देंः उन विषयों से निपटें जिनसे आप सबसे अधिक डरते हैं, अपनी ऊर्जा के चरम समय (आमतौर पर सुबह) में ताकि वे पूरे दिन आपके ऊपर हावी न हो जाएं। 2. अपने शरीर को एक एथलीट की तरह समझें आप यह उम्मीद नहीं करेंगे कि कोई कार खाली या खराब गुणवत्ता वाले ईंधन पर दौड़ लगाएगी।

आपका मस्तिष्क भी इससे अलग नहीं है। 7-घंटे का नियमः नींद वह समय है जब आपका मस्तिष्क सूचना को अल्पकालिक स्मृति से दीर्घकालिक स्मृति में स्थानांतरित करता है। नींद को कम करने से वास्तव में आपके द्वारा पहले से सीखी गई बातों को भूलने की संभावना बढ़ जाती है। मस्तिष्क भोजनः मीठे स्नैक्स और अत्यधिक कैफीन के स्थान पर मेवे, फल और भरपूर पानी का सेवन करें। शुगर क्रैश पैनिक अटैक के शारीरिक लक्षणों (दिल की धड़कन, घबराहट) का अनुकरण कर सकता है। तनाव दूर करने के लिए आगे बढ़ेंः बाहर 15 मिनट की सैर से कॉर्टिसोल (तनाव हार्मोन) कम हो जाता है और मानसिक धुंध साफ हो जाती है 3. अपनी मानसिकता पर नियंत्रण रखें आप स्वयं से कैसे बात करते हैं, यह आपके विचार से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। तुलना का खेल बंद करेंः हर किसी की तैयारी यात्रा अलग होती है। ह्लपरीक्षा पोस्टमार्टम्सह्व या इस बात पर चर्चा करने से बचें कि अन्य लोगों ने कितने अध्याय पूरे कर लिए हैं; इससे केवल अनावश्यक घबराहट पैदा होती है। सकारात्मक पुनर्रचनाः ह्लमैं असफल होने जा रहा हूँह्व कहने के बजाय, ह्लमैं जो मैंने तैयार किया है उससे अपना सर्वश्रेष्ठ करने जा रहा हूँ। माइंडफुलनेसः यदि आपको घबराहट की लहर महसूस हो, तो बॉक्स ब्रीदिंग का प्रयास करेंः 4 सेकंड के लिए साँस लें, 4 सेकंड तक सांस रोककर रखें, 4 मिनट के लिए सांस छोड़ दें और 4 घंटे तक रुकें। यह आपके तंत्रिका तंत्र को बताता है कि आप सुरक्षित हैं। 4. परीक्षा के दिन परीक्षा की सुबह ह्लजेनह्व बनाए रखने के बारे में है कोई नया विषय नहींः परीक्षा से एक घंटा पहले नई सामग्री देखने से बचें। इससे भ्रम पैदा होता है और आप जो पहले से जानते हैं, उस पर आपका विश्वास कम हो जाता है। जल्दी पहुंचेंः केंद्र की ओर भागने से अनावश्यक ह्लअस्तित्व तनावह्व बढ़ जाता है जल्दी पहुंचें, अपनी सीट ढूंढें और बैठ जाएं। पेपर का चयन करेंः पहले 5 मिनट पूरे पेपर को पढ़ने में बिताएं। उन प्रश्नों से शुरूआत करें जिनके बारे में आप सबसे अधिक आश्वस्त हैं, ताकि गति बनी रहे और किसी भी प्रारंभिक मस्तिष्क को पिघलाया जा सके। त्वरित अनुस्मारकः बोर्ड परीक्षा एक विशिष्ट समय पर किसी विशेष विषय पर आपके ज्ञान का परीक्षण है। यह आपके मूल्य या आपके सम्पूर्ण भविष्य का प्रतिबिंब नहीं है।

सनातन,संत, सत्ता और संग्राम

तनवीर जाफरी

गत दिनों मौनी अमावस्या के दिन प्रयागराज में उस समय के एक अजीब स्थिति पैदा हो गयी जबकि माघ मेला में मेला प्रशासन व पुलिस द्वारा शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को संगम में स्नान करने से रोका गया ? मेला प्रशासन के अनुसार सुरक्षा कारणों से उनके वाहन (पालकी) को रोका गया और स्नान हेतु पैदल जाने को कहा गया। परन्तु शंकराचार्य जी ने इस प्रशासनिक निर्देश को प्रोटोकॉल का उल्लंघन मानते हुए अस्वीकार कर दिया। घटना के सम्बन्ध में प्राप्त ब्यौरे के अनुसार स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद मौनी अमावस्या के दिन अपनी पालकी पर सवार होकर अपने सैकड़ों भक्तों व अनुयायियों के साथ संगम नोज की तरफ बढ़ रहे थे। उसी समय मेला प्राधिकरण की ओर से तैनात पुलिस ने भारी भीड़ बताकर उनकी पालकी को रोक दिया और शंकराचार्य जी से सीमित अनुयायियों के साथ पैदल स्नान स्थल तक पहुँचने व स्नान करने का अनुरोध किया। परन्तु शंकराचार्य ने पूरे सम्मान और प्रोटोकॉल की मांग की, जो अस्वीकार होने पर उन्होंने स्नान नहीं किया और अनशन पर बैठ गए। इस संबंध में मेला व पुलिस प्रशासन का पक्ष है कि शंकराचार्य को स्नान से नहीं, बल्कि वाहन से स्नान लिये जाने से रोका गया था और सुरक्षा व भीड़ प्रबंधन के लिए यह जरूरी भी था।

परन्तु शंकराचार्य जी व उनके शिष्यों द्वारा जो आरोप लगाये गये हैं वे बेहद गंभीर हैं। कहा जा रहा है कि पुलिस द्वारा शंकराचार्य जी महाराज के शिष्यों की चोटी (शिखा) को पकड़कर घसीटा गया,उन्हें बुरी तरह पीटा गया व अपमानित किया गया। इस घटना को केवल एक कृत्य या हिंसा नहीं, बल्कि इसे सुनियोजित सांस्कृतिक अपमान बताया जा रहा है। क्योंकि यह सब उस समय हुआ जब शंकराचार्य, साधु,संत, शिष्य और श्रद्धालु किसी विरोध या प्रदर्शन के लिए नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि और ईश्वर आराधना के लिए संगम घाट पर आए थे। लिहाजा क्या वजह है कि सनातन धर्म व संतों की रक्षा व इसके मान सम्मान की दुहाई देने वाली भाजपा सरकार के शासन काल में शंकराचार्य स्तर के सम्मानित संतों व उनके गुरुकुल के शिष्यों का धर्म क्षेत्र प्रयागराज में इस तरह अपमान किया गया ?

इस घटना के फौरन बाद जिस तरह 19 जनवरी को प्रशासन ने एक नोटिस चिपका कर 24 घंटे में शंकराचार्य जी से यह बताने को कहा गया कि अविमुक्तेश्वरानंद जी शंकराचार्य कैसे हैं ? गोया शंकराचार्य को स्नान से रोके जाने

की बात यहां तक जा पहुंची कि अविमुक्तेश्वरानंद जी शंकराचार्य हैं या नहीं ? शंकराचार्य कैसे बनते हैं और कौन बना सकता है ? क्या सरकार तय करेगी कि कौन शंकराचार्य है और कौन नहीं ? यानी भीड़ को बहाना बनाकर शंकराचार्य की पालकी को रोकना उनके अनुयायियों से मारपीट करना व उन्हें अपमानित करना फिर उसके बाद उनकी शंकराचार्य की पदवी को ही चुनौती देने का अर्थ है कि उन्हें किसी पूर्वाग्रह के चलते ही रोका गया। साथ ही जिसतरह कई संत सरकार की भाषा बोलते व सरकार का पक्ष लेते दिखाई दिये उससे भी साफ हो गया कि उन्हें रोकना व अपमानित करना न केवल सत्ता के अहंकार का एक उदाहरण है बल्कि इसके पीछे शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद जी के विरुद्ध सत्ता का पूर्वाग्रह भी नजर आता है। हालाँकि देश का अधिकांश संत समाज अविमुक्तेश्वरानंद जी व उनके शिष्यों व अनुयायियों के साथ हुये दुर्व्यवहार व अपमान से आहत नजर आया। इस घटना के बाद जिस तरह देश के कोने कोने से शंकराचार्य के अनुयायी व अनेक संत संगम तट पर इकठ्ठा होने शुरू किया इससे भी सरकार की काफी फजीहत हुई है।

यदि आप शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद जी के विगत कुछ वर्षों की सक्रियता व उनकी कारगुजारियों पर नजर डालें तो हम यह देखेंगे कि वे बे हिचक और बिना लाग लपेट के और बिना सत्ता की परवाह किये अपनी बात कहने वाले संत हैं। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने जनवरी 2024 में अयोध्या राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का विरोध करते हुये कहा था कि उस समय चूँकि मंदिर का शिखर, कलश और ध्वज स्थापित नहीं थे लिहाजा अधूरे मंदिर में प्रतिष्ठा करने से मूर्ति में ह्लआसुरी शक्तिह्व प्रवेश कर सकती है, जो शास्त्रों के विरुद्ध है। इसी तरह उन्होंने नवंबर 2025 में भी ध्वजारोहण पर यह कहते हुये सवाल उठाए थे कि शास्त्रों में ध्वजारोहण का उल्लेख नहीं है, बल्कि शिखर प्रतिष्ठा होती है, जो अभी बाकी थी। उन्होंने इस आयोजन को मनमाना और शास्त्र-विरोधी भी बताया था तथा शंकराचार्यों को न बुलाने पर भी नाराजगी जताई थी । शंकराचार्य ने प्रयागराज के महाकुंभ में हुई भगदड़ के लिये भी योगी आदित्यनाथ सरकार की कड़ी आलोचना की थी। उस वक़्त उन्होंने कहा था कि सरकारी प्रबंधों के दावों की पोल खुल गई है और राज्य सरकार को खुद ही हट जाना चाहिए। शंकराचार्य ने कहा था कि ह्यमहाकुंभ में 40 करोड़ श्रद्धालुओं के आने का दावा करने वाली सरकार को व्यापक तैयारी करनी चाहिए थी, लेकिन भगदड़ ने सरकार की नाकामी उजागर कर दी। इसी तरह शंकराचार्य जी ने वाराणसी में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के विकास कार्यों के नाम पर प्राचीन मंदिरों को तोड़े जाने का कड़ा विरोध किया था। उन्होंने गोविंदेश्वर महादेव मंदिर को तोड़े जाने पर धरना दिया था और प्रशासन पर शिवलिंग गायब करने का आरोप लगाया था ।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद जी ने इसे हिंदू धार्मिक परंपराओं के खिलाफ बताया था और कहा था कि विकास के नाम पर मंदिर नष्ट नहीं किए जाने चाहिए। उन्होंने स्कंद पुराण में उल्लिखित मंदिरों का हवाला देते हुए विरोध प्रदर्शन किया और धर्म संसद भी बुलाई थी।

इसी तरह स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी ने केदारनाथ मंदिर से 228 किलोग्राम सोने के गायब होने की मीडिया में प्रसारित खबरों पर प्रतिक्रिया करते हुये इसे ह्यसोना घोटालाह्ल करार दिया था। उन्होंने दिल्ली में केदारनाथ मंदिर के निर्माण पर भी सवाल उठाते हुये कहा था कि हिमालय में स्थित मंदिर को दिल्ली में नहीं बनाया जा सकता। गोहत्या के विरुद्ध हमेशा मुखर व आंदोलित रहने वाले स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने गौ हत्या मामले में पूर्व मंत्री मुख़्तार अब्बास नकवी और केंद्रीय मंत्री किरण रिजिजू की तुलना करते हुए भाजपा के घोर आंतरिक विरोधाभास पर टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था कि ह्यनकवी ने गोमांस खाने वालों को पाकिस्तान जाने की सलाह दी थी तो ऐसे व्यक्ति को मंत्री पद से हटा दिया गया जबकि किरण रिजिजू ने गोमांस खाने वालों का समर्थन करते हुए कहा था कि वे खुद भी बीफ खाते हैं और कोई उन्हें रोक नहीं सकता। ऐसा व्यक्ति (किरण रिजिजू) प्रधानमंत्री के पीछे बैठा दिखाई देता है ह्य।

मुख्यमंत्री योगी से जापान के यामानाशी प्रान्त के उप राज्यपाल ने की भेंट

जापानी प्रतिनिधिमण्डल ने स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में प्रदेश सरकार के प्रयासों की सराहना की

लखनऊ।
मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बुधवार को जापान के यामानाशी प्रान्त के उप-राज्यपाल जुनिची इशिडोरा के नेतृत्व में आए आठ सदस्यीय उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार भेंट की। सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुई इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत-जापान के बीच मजबूत होती रणनीतिक साझेदारी और उत्तर प्रदेश तथा यामानाशी प्रान्त के बीच उभरते सहयोग को और आगे बढ़ाने को लेकर विस्तार से चर्चा हुई।
मुख्यमंत्री ने राजधानी लखनऊ आगमन पर जापानी प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि भारत और जापान के संबंध केवल कूटनीतिक नहीं, बल्कि आपसी विश्वास, अनुशासन, नवाचार और सतत विकास जैसे साझा मूल्यों पर आधारित हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश इस साझेदारी को जमीनी स्तर पर साकार करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है।
बैठक के दौरान वर्ष 2024 में उत्तर प्रदेश सरकार और यामानाशी प्रान्त के बीच हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष रूप से चर्चा हुई। यह एमओयू स्वच्छ ऊर्जा, खासतौर पर ग्रीन हाइड्रोजन, नवाचार, क्षमता निर्माण और सतत औद्योगिक विकास के क्षेत्रों में सहयोग का मजबूत आधार प्रदान करता है।
मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में अनुसंधान, नवाचार और कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किए गए हैं। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश ग्रीन हाइड्रोजन नीति-2024 के माध्यम से निवेशकों के लिए एक स्पष्ट, पारदर्शी और अनुकूल वातावरण तैयार किया गया है। इस नीति के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी यूपीनेडा को सौंपी गई है। बैठक में यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में ग्रीन हाइड्रोजन पायलट परियोजना के वाणिज्यिक संचालन की शुरूआत को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में रेखांकित किया गया। जापानी प्रतिनिधिमण्डल ने स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए भविष्य में सहयोग को और विस्तार देने की इच्छा जताई।
इस अवसर पर भारत और जापान के गहरे सभ्यतागत और सांस्कृतिक संबंधों पर भी चर्चा हुई। विशेष रूप से बौद्ध विरासत और बौद्ध पर्यटन सर्किट के माध्यम से दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क को और मजबूत करने की संभावनाओं पर विचार किया गया।
मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि उत्तर प्रदेश और यामानाशी प्रान्त के बीच यह सहयोग आने वाले समय में और सशक्त होगा तथा ग्रीन एनर्जी, औद्योगिक विकास, नवाचार और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के क्षेत्रों में दीर्घकालिक साझेदारी को नई दिशा देगा।

धंसे डॉट नाले का नगर आयुक्त ने लिया जायजा, सात मकान खाली कराने के निर्देश

कानपुर।
ईदगाह चौराहा से ब्रह्मनगर चौराहा जाने वाली सड़क पर दो स्थानों पर धंसे डॉट नाले का नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने बुधवार को जायजा लिया। उन्होंने नाले के आसपास स्थित सात मकानों के निवासियों को जान-माल की सुरक्षा को देखते हुए भवन खाली करने के नोटिस जारी करने व उन्हें पास के छह रैन बसेरों में ठहरने की व्यवस्था उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके अलावा, क्षेत्र में लाउडस्पीकर के माध्यम से लगातार मुनादी कराकर लोगों को सतर्क कराए जाने की भी बात कही।
इस दौरान मुख्य अभियंता ने बताया कि ईदगाह से ब्रह्मनगर जाने वाली सड़क के नीचे लगभग 100 वर्ष पुराना डॉट नाला निर्मित है। हाल ही में केस्को विभाग द्वारा एचडीडी विधि से भूमिगत लाइन डाले जाने के दौरान नाले को क्षति पहुंची है। इसके साथ ही वाटर लाइन से लगातार पानी का रिसाव होने के कारण मिट्टी का कटाव हुआ, जिससे सड़क क्षतिग्रस्त होकर धंस गई।
मौके पर क्षतिग्रस्त क्षेत्र में सुरक्षा की दृष्टि से बैरिकेडिंग और व्यू कटर लगाए गए हैं। साथ ही नाले की मरम्मत के लिए शटरिंग का कार्य प्रगति पर पाया गया। नगर आयुक्त ने मुख्य अभियंता को निर्देश दिए कि नाले में उतरकर कार्य करने वाले सभी कर्मचारियों को पूर्ण सुरक्षा उपकरणों के साथ कार्य कराया जाए, ताकि किसी भी प्रकार की जनहानि न हो।
नगर आयुक्त ने स्पष्ट किया कि डॉट नाले की मरम्मत का कार्य युद्ध स्तर पर और पूरी सुरक्षा व्यवस्था के साथ किया जाए। नगर निगम और जिला प्रशासन की संयुक्त टीम मौके पर मौजूद रहकर समन्वय के साथ स्थिति पर निगरानी बनाए हुए है।
इस दौरान अपर नगर आयुक्त मोहम्मद अवेश खां, अपर नगर मजिस्ट्रेट, मुख्य अभियंता, जोनल अधिकारी सहित नगर निगम व जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बारिश से आलू की फसल पर रोग का खतरा

हाथरस।
क्षेत्र में मंगलवार को हुई रुक-रुक कर बारिश और रात की मूसलाधार वर्षा ने किसानों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। किसान अब आलू की फसल में चेचक रोग और चुकंदर के अंकुरण में दिक्कत की आशंका जता रहे हैं।
किसानों के अनुसार, आलू के खेतों में पानी भरने से फसल में चेचक रोग लगने और सड़ने की संभावना बढ़ गई है। वे पहले से ही जड़ गलन और झुलसा रोग से परेशान थे, और अब यह बारिश बची हुई फसल को भी नुकसान पहुंचा सकती है। चुकंदर की फसल बोने वाले किसानों को भी नुकसान का डर सता रहा है। उनका कहना है कि यदि और बारिश होती है तो बोया हुआ बीज बह जाएगा। वहीं, अगर धूप निकलती है तो मिट्टी की ऊपरी परत सख्त होने से अंकुरण मुश्किल हो जाएगा। इसके अतिरिक्त, सरसों के फूल झड़ने और कटी हुई रखी सरसों की फसल को भी नुकसान होने की आशंका है। सहायक खंड विकास अधिकारी (कृषि) मुरारी लाल ने बुधवार को बताया कि अधिक बारिश से आलू और चुकंदर को नुकसान की अधिक संभावना है, जबकि जौ और गेहूं की फसलों के लिए यह बारिश फायदेमंद साबित होगी।

मेला रामनगरिया में वन्दे मातरम नाटक का मंचन

फरुर्खाबाद।
उत्तर प्रदेश के जनपद फरुर्खाबाद में चल रहे माघ मेला रामनगरिया (गंगातट) पांचाल घाट के सांस्कृतिक पांडाल के मंच पर आज वंदे मातरम का नाट्य मंचन हुआ। वंदे मातरम की 150 वीं वर्षगांठ पर हुई यह प्रस्तुति लोगों को देश के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करने में सफल रही। यह नाटक प्रख्यात उपन्यास आनंद मठ के लेखक बंकिमचंद्र चटर्जी के विचारों से प्रेरित है।

बेटी के हत्यारे पिता को उम्र कैद की सजा

बांदा।
उत्तर प्रदेश के जनपद बांदा में वर्ष 2022 में अपनी ही पुत्री की गला दबाकर हत्या करने के जघन्य अपराध में दोषी पिता को न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। यह फैसला स्पेशल जज पॉक्सो एक्ट, बांदा की अदालत ने बुधवार को सुनाया।
मामला थाना नरैनी क्षेत्र के ग्राम पौसरा का है। 22 अप्रैल 2022 को गांव के एक पड़ोसी ने पुलिस को सूचना दी थी कि उसके पड़ोस में रहने वाली रैना देवी 20 अप्रैल से लापता है। सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले की जांच शुरू की।जांच के दौरान चौंकाने वाला खुलासा हुआ।

धर्मांतरण के चौथे आरोपित की गिरफ्तारी न होने से पीड़ित परिवार भयभीत

दुष्कर्म व धर्मांतरण के दबाव के मामले में पुलिस आरोपित को पकड़ने में नाकामयाब

हमीरपुर।
उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले के सुमेरपुर कस्बे में दुष्कर्म व धर्मांतरण के दबाव के मामले में पुलिस तेरह दिन बाद भी चौथे आरोपित को गिरफ्तार नहीं कर पाई है जबकि पीड़ित परिवार आरोपियों से जान का खतरा बताकर सुरक्षा की गुहार लगा चुका है। इसके बाद पुलिस आरोपित को पकड़ने में नाकामयाब है।
कस्बे के कमलेश तिराहा निवासी अबान उर्फ अफान खान ने कस्बे के एक हिंदू किशोरी को फंसा कर अश्लील वीडियो बना लिया था। बाद में धर्मांतरण करके शादी का दबाव बनाया था। हिंदू किशोरी के मना करने के बाद आरोपित ने उसकी अश्लील वीडियो सोशल मीडिया में वायरल कर दिए थे। इससे कस्बे में बवाल मच गया था। किशोरी के पिता ने अबान उर्फ अफान के साथ मुकदमे में उसके पिता मौलाना खान को आरोपी बनाया था। बाद में किशोरी के बयान अदालत में दर्ज होने पर पुलिस ने मुख्य आरोपित के अलावा अन्य दो नाम बताये थे। इनमें एक बाल अपचारी को पुलिस गिरफ्तार कर चुकी है। जबकि चौथा आरोपित फरार है। यह आरोपित मुख्य आरोपी का रिश्तेदार बताया जा रहा है।

सब्जी एवं स्वदेशी फसलें किसानों की आय बढ़ाने का सशक्त माध्यम : कुलाधिपति

रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में चतुर्थ भारतीय उद्यानिकी शिखर सम्मेलन का भव्य शुभारंभ

झांसी।
रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी में बुधवार को चतुर्थ भारतीय उद्यानिकी शिखर सम्मेलन-सह-अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। 28 से 30 जनवरी तक चलने वाले इस तीन दिवसीय सम्मेलन का विषय सतत विकास, स्वास्थ्य एवं आर्थिक सुदृढ़ता हेतु स्वदेशी एवं अल्प-उपयोगित उद्यानिकी फसलों का संवर्धन रखा गया है। सम्मेलन में देश-विदेश के वैज्ञानिक, नीति-निमार्ता, उद्यमी और शोधार्थी भाग ले रहे हैं।
उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि एवं विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. पंजाब सिंह ने कहा कि सब्जी एवं स्वदेशी उद्यानिकी फसलें कम समय में अधिक उत्पादन देकर किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। ये फसलें पोषण सुरक्षा के साथ जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के प्रति भी अधिक सहनशील हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति डॉ. अशोक कुमार सिंह ने कहा कि बुंदेलखंड क्षेत्र में उद्यानिकी और मसाला फसलों की अपार संभावनाएँ हैं। गुणवत्तायुक्त बीज, प्रमाणित रोपण सामग्री और कटाई-पश्चात प्रबंधन से किसानों को बेहतर लाभ मिल सकता है।

पुलिस मुठभेड़ में गोली लगने से दो बदमाश घायल

प्रयागराज।
उप्र के प्रयागराज जिले में स्थित करछना थाना क्षेत्र में हर्रई घोड़े डीह नहर के समीप बुधवार की देर रात दो मोटरसाइकिल सवार बदमाशों से पुलिस टीम की मुठभेड़ हो गई। इस दौरान गोली लगने से दो बदमाश घायल हो गए। जबकि दो बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले। घायल बदमाशों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस टीम ने मौके से घटना में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिल, एक पिस्टल, एक तमंचा और कारतूस बरामद किया है।
पुलिस उपायुक्त यमुनानगर विवेक चन्द्र यादव ने बताया कि गोली से घायल बदमाशों की पहचान प्रयागराज के जार्जटाउन थाना क्षेत्र के सोहबतियाबाग निवासी पप्पू सोनकर पुत्र सहनलाल व साथी अरविन्द सोनकर पुत्र स्वर्गीय अजय कुमार सोनकर के रूप में की गई। दोनों को उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। जबकि मौके से दो बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकले। फरार बदमाशों की तलाश जारी है।
उन्होंने बताया कि 28 जनवरी को करछना थाना क्षेत्र मझुआ नहर के पास चन्दन सोनी को मोटरसाइकिल से गिराकर सोने चांदी के बैग लूटने एवं विरोध करने पर बदमाश गोली मारकर भाग निकले थे और दूसरी घटना में स्कूटी से जा रही महिला कविता विश्वकर्मा से मोटरसाइकिल सवार बदमाश चांदी के जेवरात और नगदी लूटकर भागे थे। करछना एवं एसओजी की संयुक्त पुलिस टीम दोनों वारदातों के खुलासे के लिए लगातार प्रयासरत थी। बुधवार रात
हर्रई घोड़े डीह और बेन्दो बॉर्डर पर पुलिया के पास चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान 2 मोटरसाइकिल तेज गति से आती हुई दिखायी दी, जिन्हें पुलिस टीम ने चेकिंग के लिए रुकने का इशारा किया, लेकिन मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने लगे। पुलिस टीम ने संदेह होने पर उन मोटरसाइकिल सवार व्यक्तियों का पीछा किया। तब वह बाइक सवार मुंगारी-पनासा रोड की तरफ भागने लगे।

डंपर की टक्कर से युवक की मौत, गुस्साए ग्रामीणों ने चक्का जाम कर वाहन फूंका

मीरजापुर।
उत्तर प्रदेश के मीरजापुर जिले में देहात कोतवाली क्षेत्र के बिकना गांव के पास बुधवार रात सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की डंपर से कुचलकर मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दिया और डंपर में आग लगा दी। इससे कुछ देर के लिए क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई।
करनपुर चौकी क्षेत्र के बिकना गांव निवासी मिथिलेश कुमार विश्वकर्मा (29) मोटरसाइकिल से कहीं जा रहा था। गांव से कुछ दूरी पर पीछे से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मिथिलेश की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद डंपर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया।
जानकारी मिलते ही मृतक के परिजन और बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए। आक्रोशित लोगों ने सड़क पर चक्का जाम कर दिया और डंपर को आग के हवाले कर दिया। सूचना पर देहात कोतवाली, कटरा व शहर कोतवाली की पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची लेकिन ग्रामीण उच्च अधिकारियों को बुलाने की मांग पर अड़े रहे। कुछ देर बाद अपर पुलिस अधीक्षक (ऑपरेशन) मनीष कुमार मिश्र मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझा-बुझाकर शांत किया। उन्होंने आरोपित चालक की गिरफ्तारी और आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

वाराणसी नगर निगम को टोल फ्री नंबर पर आवारा जानवरों की सूचना दें - पशु चिकित्सा अधिकारी

वाराणसी।
वाराणसी में लाखों की आबादी के बीच आवारा घूमने वाले जानवरों से नगर निगम लगातार सावधान कर रहा है। वर्ष 2026 में भी नगर निगम ने आवारा जानवरों को पकड़ने के अभियान में लोगों से टोल फ्री नंबर पर सूचनाएं मांगी है। वाराणसी नगर निगम में पशु चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर संतोष पाल ने कहा कि आवारा जानवरों के मृत होने अथवा उनके द्वारा परेशानी दिए जाने की सूचना सीधे मेरे नंबर या टोल फ्री नंबर पर दें। नगर निगम उन्हें पकड़ने या उनके शव के निपटारे के लिए आगे की कार्रवाई करेगा।
डॉ संतोष ने आगे कहा कि गाय, बंदर, बिल्ली, कुत्ता के मृत होने की सूचना मिलते ही नगर निगम की एक टीम मौके पर पहुंचती है और उस शव को अपने साथ ले जाकर के उसका निपटान करती है। चोटिल आवारा पशु के उपचार का भी कार्य कराया जाता है। आवारा कुत्तों के आतंक मचाने, गाय या बंदर के झुंड के एक ही क्षेत्र में परेशानी पैदा करने पर भी उन्हें पकड़ने की कार्रवाई होती है। इसके लिए नगर निगम

वाराणसी के 1533 टोल फ्री नंबर पर लोगों को सूचना देनी है।

सड़क हादसे में जीजा साले की मौत, एक गंभीर रूप से घायल

जौनपुर।
उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले में रामपुर थाना क्षेत्र के यादवनगर नई बस्ती में बुधवार रात एक सड़क हादसे में जीजा-साले की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना उस समय हुई जब वे एक बरही समारोह में शामिल होने आए थे।
सिकरारा थाना क्षेत्र के पोखरियापुर निवासी संतोष गौतम पुत्र स्व पन्नालाल अपने साले गुड्डू गौतम के साथ रामपुर थाना क्षेत्र के औरा गांव की नई बस्ती में स्थित राहुल गौतम के घर आए थे। राहुल गौतम के घर पुत्री के जन्म के उपलक्ष्य में बरही का आयोजन किया जा रहा था।
कार्यक्रम को बेहतर बनाने के लिए दोनों रात करीब पौने आठ बजे बाइक से पास के अरविंद गौतम के यहां बैटरी लेने गए थे। बैटरी लेकर लौटते समय संतोष और गुड्डू ने अपने साथ सिपाही गौतम(18) को भी ले लिया था।
जैसे ही वे नेशनल हाईवे 135 ए पर चढ़े, जौनपुर से भदोही की ओर जा रहे एक अज्ञात तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि संतोष गौतम और गुड्डू गौतम की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि सिपाही गौतम गंभीर रूप से घायल हो गया।

मौसम ने लिया करवट, ठंड और गलन बढ़ी, तापमान पहुंचा 11 डिग्री

जौनपुर ।
यूपी के जौनपुर में मौसम ने अचानक करवट ली है, जिससे गलन में इजाफा हुआ है और ठंड बढ़ गई है। इसके परिणामस्वरूप स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी बढ़ी हैं, जिनमें हार्ट अटैक और लकवा जैसे गंभीर मामले शामिल हैं। गुरुवार सुबह से आसमान में बादल छाए हुए हैं जिससे सुबह से ही गलन महसूस की जा रही है। लोग कई दिनों बाद फिर से आग तापते नजर आए। इससे पहले बुधवार को धूप निकलने से लोगों को थोड़ी राहत मिली थी, लेकिन शाम होते ही ठंड फिर बढ़ गई। गुरुवार को अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 11डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस दिन आर्द्रता 89प्रतिशत, वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) 124 और हवा की गति 10किलोमीटर प्रति घंटे रही।वहीं, बुधवार को अधिकतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस दिन आर्द्रता 79 प्रतिशत, वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) 131 और हवा की गति 5 किलोमीटर प्रति घंटे मापी गई थी।बदलते मौसम और बढ़ती ठंड के कारण लोगों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। सुबह और शाम की गलन से कई लोग विभिन्न बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं, जिनमें हार्ट अटैक, लकवा और सांस फूलने जैसी गंभीर समस्याएं प्रमुख हैं।जनपद के वरिष्ठ फिजिशियन एवं हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ मनमोहन श्रीवास्तव ने बताया कि इस समय ठंड से विशेष बचाव की आवश्यकता है। उन्होंने विशेष रूप से हृदय रोगियों, शुगर और ब्लड प्रेशर के मरीजों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी है।
डॉ. श्रीवास्तव के अनुसार, ठंड में ब्लड प्रेशर के उतार-चढ़ाव से लकवा का खतरा बढ़ जाता है, जबकि हृदय पर दबाव बढ़ने से हार्ट अटैक की आशंका बढ़ जाती है।बचाव के उपायों के तौर पर डॉ. श्रीवास्तव ने गुनगुने पानी का सेवन करने, नमक का उपयोग कम करने और नियमित व्यायाम करने पर जोर दिया। उन्होंने बुजुर्गों और 50 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को सुबह की ठंड में केवल आवश्यकता पड़ने पर ही घर से बाहर निकलने की सलाह दी।इसके अतिरिक्त, हल्के गुनगुने पानी से स्नान करने और खान-पान का विशेष ध्यान रखने को कहा गया है।तेल मसाले का प्रयोग कम करें वसा युक्त आहार से बचे।

बलात्कार के प्रयास के दोषी को पांच वर्ष का कारावास

फिरोजाबाद।
न्यायालय ने बुधवार को बलात्कार के प्रयास के दोषी को पांच वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने उस पर अर्थ दंड लगाया है। अर्थ दंड न देने पर उसे अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। घटना 30 वर्ष पूर्व वर्ष 1995 की है।
थाना सिरसागंज क्षेत्र निवासी एक 11 वर्ष की बालिका को एक युवक चारपाई पर सोते से उठाकर ले गया था।

(आर्थिक सर्वे 2026): वित्त वर्ष 2026-27 में आर्थिक वृद्धि दर 6.8 से 7.2 फीसदी रहने का अनुमान

नई दिल्ली।
आगामी वित्त वर्ष 2026-27 में देश की आर्थिक वृद्धि दर 6.8 से 7.2 फीसदी के बीच रहने का अनुमान है, जो चालू वित्त वर्ष 2025-26 के 7.4 फीसदी के अनुमान से थोड़ा कम है। सर्वेक्षण में कहा गया है कि भारत को घरेलू विकास की दर अधिकतम रखने के साथ ही भूराजनीतिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए बाहरी झटकों को झेलने का सामर्थ्य पैदा करने पर भी फोकस करना होगा।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को लोकसभा में आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 पेश की। आर्थिक सर्वेक्षण में देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर अगामी वित्त वर्ष 2026-27 में 6.8 से 7.2 फीसदी के बीच रहने का अनुमान जताया गया है। यह चालू वित्त वर्ष 2025-26 के 7.4 फीसदी के अनुमान से थोड़ा कम है। आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के मुताबिक भारत की अर्थव्यवस्था ने मजबूत विकास की रफ्तार बनाए रखी है। केंद्रीय बजट 2026-27 से पहले आये आर्थिक सर्वेक्षण में कहा गया है, ह्यह्यकुल मिलाकर वैश्विक अनिश्चितता के बीच वृद्धि का दृष्टिकोण मजबूत है। ह्यघरेलू कारकों की प्रमुख भूमिका और वृहद आर्थिक स्थिरता के मजबूत होने के कारण, वृद्धि से जुड़े जोखिमों को लेकर स्थिति मोटे तौर पर संतुलित बनी हुई है। इसके लिए सावधानी बरतने की आवश्यकता है, लेकिन निराशावादी होने की जरूरत नहीं है। आर्थिक सर्वेक्षण में भारत की अर्थव्यवस्था के सामने जोखिम पैदा करने वाले तीन परिदृश्यों पर ध्यान देने की सलाह दी गई है, जिनमें पूंजी प्रवाह में व्यवधान और इसके परिणामस्वरूप रुपये पर प्रभाव, स्वदेशीकरण के बावजूद बढ़ता आयात और आपूर्ति श्रृंखला की स्थिरता एवं संसाधन मार्गों के सातत्य की चुनौती शामिल है।

सर्वेक्षण में कहा गया है कि भू-राजनीतिक उथल-पुथल की दुनिया में, पूंजी प्रवाह में व्यवधान एवं रुपये पर उसके प्रभाव केवल एक वर्ष तक सीमित नहीं हो सकते हैं और ये अधिक समय तक देखने को मिल सकता है। इसके जवाब में, भारत को अपने बढ़ते आयात बिल को नियंत्रित करने के लिए विदेशी मुद्रा में पर्याप्त निवेशक रुचि और निर्यात आय उत्पन्न करने की आवश्यकता है, क्योंकि स्वदेशीकरण के प्रयासों की सफलता के बावजूद, बढ़ता आयात हमेशा अधिक व्ययकारी रहेगा। पर यह अलग अलग समय पर अलग अलग प्रभाव डालेगा। ऐसा ऐतिहासिक वैश्विक अनुभव रहा है।

आर्थिक सर्वे में कहा गया है कि आर्थिक क्षेत्र में आपूर्ति की स्थिरता, संसाधन बफर्स के निर्माण और मार्गों एवं भुगतान प्रणालियों के विविधीकरण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। वर्ष 2026 में भारतीय अर्थव्यवस्था में नीतिगत विश्वसनीयता, पूवार्नुमेयता और प्रशासनिक अनुशासन का रणनीतिक महत्व रहेगा। इस साल भारत को रक्षात्मक निराशावाद के बजाय रणनीतिक संयम बाहरी वातावरण के लिए घरेलू विकास को अधिकतम गति देने और बाहरी झटकों को झेलने का सामर्थ्य पैदा करने, दोनों को प्राथमिकता देने की आवश्यकता होगी। दूसरे शब्दों में कहें तो भारत को मैराथन दौड़नी चाहिए लेकिन एक साथ और तेज गति से दौड़ना चाहिए, या मैराथन दौड़नी चाहिए।

आर्थिक सर्वेक्षण में वृद्धि दर के अनुमान में हाल के वर्षों में किए गए नीतिगत सुधारों के प्रभाव को ध्यान में रखा गया है। इससे अर्थव्यवस्था की मध्यम अवधि की वृद्धि क्षमता सात प्रतिशत के करीब पहुंच गई है।

वित्त मंत्री सीतारमण ने आर्थिक समीक्षा 2025-26 किया पेश, सर्वे की मुख्य बातें

नई दिल्ली।
केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को संसद में आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 पेश की। सर्वेक्षण में देश की आर्थिक वृद्धि दर अगामी वित्त वर्ष 2026-27 में 6.8 से 7.2 फीसदी के बीच रहने का अनुमान जताया गया है। यह चालू वित्त वर्ष 2025-26 के 7.4 फीसदी के अनुमान से थोड़ा कम है। इस सर्वे के मुताबिक केंद्र सरकार की राजस्व प्राप्तियां वित्त वर्ष 2024-25 (अस्थायी) में बढ़कर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 9.2 फीसदी पर पहुंच गईं है।

आर्थिक सर्वेक्षण की मुख्य बातें-
संसद में पेश आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के मुताबिक चालू वित्त वर्ष 2025-26 में वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर प्रथम अग्रिम अनुमान के अनुसार 7.4 फीसदी और सकल मूल्य वर्धन (जीवीए) वृद्धि दर 7.3 फीसदी रहने का अनुमान है।
-सर्वेक्षण में भारत की संभावित वृद्धि दर लगभग सात फीसदी आंकी गई है, जबकि वित्त वर्ष 2026-27 में वास्तविक जीडीपी वृद्धि 6.8 से 7.2 फीसदी के बीच रहने का अनुमान जताया गया है।
-केंद्र सरकार की राजस्व प्राप्तियां वित्त वर्ष 2024-25 (अस्थायी) में बढ़कर जीडीपी के 9.2 फीसदी पर पहुंच गईं है। सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां सितंबर, 2025 में घटकर 2.2 फीसदी पर आ गईं है, जो कई दशक का निचला स्तर है।
-आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के मुताबिक प्रधानमंत्री जन-धन योजना के तहत मार्च, 2025 तक 55.02 करोड़ बैंक खाते खोले जा चुके हैं, जिनमें से 36.63 करोड़ खाते ग्रामीण व अर्ध-शहरी क्षेत्रों में हैं।
-चालू वित्त वर्ष 2025-26 (दिसंबर 2025 तक) के दौरान 2.35 करोड़ डीमैट खाते जोड़े गए, जिससे इनकी कुल संख्या 21.6 करोड़ से अधिक हो गई। सितंबर, 2025 में विशिष्ट निवेशकों की संख्या 12 करोड़ के पार पहुंच गई, जिनमें लगभग 25 फीसदी महिलाएं हैं।
-आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 के मुताबिक भारत की वैश्विक वस्तु निर्यात में हिस्सेदारी 2005 से 2024 के बीच एक फीसदी से करीब दोगुनी होकर 1.8 फीसदी हो गई। इसके साथ ही सेवा निर्यात वित्त वर्ष 2024-25 में 13.6 फीसदी की वृद्धि के साथ 387.6 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया।
-सर्वे में कहा गया है कि भारत दुनिया में धन प्रेषण (रेमिटेंस) प्राप्त करने वाला सबसे बड़ा देश बना हुआ है, जहां वित्त वर्ष 2024-25 में यह प्रवाह बढ़कर अब 135.4 अरब डॉलर हो गया।

स्टॉक मार्केट में केआरएम आयुर्वेद की शानदार एंट्री, मजबूत लिस्टिंग के बाद लगा अपर सर्किट

नई दिल्ली।
आयुर्वेदिक दवा का उत्पादन करने और देश के अलग अलग हिस्से में आयुर्वेदिक हॉस्पिटल का संचालन करने वाली कंपनी केआरएम आयुर्वेद के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूत एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 135 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 27.48 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 172.10 रुपये के स्तर पर हुई।
लिस्टिंग के बाद इस शेयर की चाल में उतार चढ़ाव होता रहा। बिकवाली का दबाव बनने पर कंपनी के शेयर गिर कर 165.15 रुपये के स्तर तक भी पहुंचे, वहीं खरीदारी का सपोर्ट मिलने इसने 180.70 रुपये के अपर सर्किट लेवल तक छलांग भी लगाई। अंत में ये शेयर अपर सर्किट लेवल यानी 180.70 रुपये के स्तर पर ही बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 45.70 रुपये यानी ओवरऑल 33.85 प्रतिशत का मुनाफा हो गया।
केआरएम आयुर्वेद का 77.49 करोड़ रुपये का आईपीओ 21 से 23 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से शानदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 74.27 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 63.31 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

डॉलर के मुकाबले रुपया 21 पैसे फिसल कर 92 रुपये के स्तर तक पहुंचा

नई दिल्ली।
मुद्रा बाजार में बने नकारात्मक माहौल के कारण भारतीय मुद्रा आज डॉलर की तुलना में 21 पैसे फिसल कर 92 रुपये के स्तर तक पहुंच गई। हालांकि, बाद में रुपये की हालत में मामूली सुधार हुआ, जिसके कारण भारतीय मुद्रा 16 पैसे की कमजोरी के साथ 91.95 रुपये प्रति डॉलर (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन बुधवार को भारतीय मुद्रा 88.10 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी।
रुपये ने आज के कारोबार की शुरूआत भी गिरावट के साथ ही की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 21 पैसे की कमजोरी के साथ 92 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरूआत की थी। आज का कारोबार शुरू होने के बाद रुपये की स्थिति मे सुधार भी आया। शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की लिवाली के कारण डॉलर के प्रवाह में तेजी आई, जिससे रुपया रिकवरी कर 91.82 के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि, दिन के दूसरे सत्र में एक बार फिर डॉलर की मांग में तेजी आ गई, जिससे रुपये में एक बार फिर गिरावट का रुख बन गया।

पूरे दिन के कारोबार के बाद डॉलर की तुलना में रुपये ने 16 पैसे की गिरावट के साथ 91.95 के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया।
मुद्रा बाजार के आज के कारोबार में रुपये ने डॉलर के साथ ही ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) के मुकाबले भी कमजोर प्रदर्शन किया। यूरो के मुकाबले रुपये के भाव में आज तेजी दर्ज की गई। आज के कारोबार के बाद ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) की तुलना में रुपया 37.69 पैसे की कमजोरी के साथ 126.93 (अनंतिम) के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह यूरो की तुलना में रुपया आज 8.59 पैसे की मजबूती के साथ 109.94 (अनंतिम) के स्तर पर पहुंच कर बंद हुआ।
खुराना सिक्योरिटीज एंड फाइनेंशियल सर्विसेज के सीईओ रवि चंदर खुराना के अनुसार अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में कटौती नहीं करने के फैसले की वजह से डॉलर इंडेक्स ने रिकवरी की है। इसके साथ ही अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड ने भी रिकवरी करने में सफलता हासिल की है।
इसकी वजह से डॉलर अन्य मुद्राओं की तुलना में मजबूत हुआ है। कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी ने भी डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत पर काफी असर डाला है। कच्चा तेल महंगा होने के कारण डॉलर की मांग में तेजी आने की संभावना बन गई है, जिससे रुपये की कमजोरी बढ़ गई है।

आर्थिक सर्वे वैश्विक मंदी के बीच भारत की विकास क्षमता और मजबूती का देता है संकेत: खंडेलवाल

नई दिल्ली।
भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद एवं कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने गुरुवार को कहा कि आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 भारतीय अर्थव्यवस्था की एक आत्मविश्वासपूर्ण और विश्वसनीय तस्वीर प्रस्तुत करता है।

खंडेलवाल ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से लोकसभा में प्रस्तुत आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26 पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि आगामी वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 6.8 फीसदी से 7.2 फीसदी की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान अत्यंत सराहनीय है, विशेषकर ऐसे समय में जब विश्व की अधिकांश अर्थव्यवस्थाएं मंदी, महंगाई के दबाव और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं का सामना कर रही हैं।

आर्थिक सर्वे: गरीबी में आई कमी, सबसे निचले तबके की खपत में तेज वृद्धि

नई दिल्ली, 29 जनवरी (हि.स)। संसद में गुरवार को पेश आर्थिक सर्वे 2025-26 में कहा गया है कि केंद्र सरकार के लक्षित कल्याणकारी उपायों से गरीबी में उल्लेखनीय कमी आई है और आय वितरण में सुधार हुआ है। इससे सबसे निचली पांच से 10 फीसदी आबादी के उपभोग व्यय में सबसे तेज वृद्धि दर्ज की गई है। सर्वेक्षण में सब्सिडी, पेंशन, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण और शिक्षा एवं स्वास्थ्य सेवा पर सार्वजनिक व्यय के सकारात्मक परिणामों का जिक्र किया गया है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में आर्थिक सर्वे 2025-26 पेश किया। आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार वित्त वर्ष 2022-23 और वित्त वर्ष 2023-24 के बीच प्रति व्यक्ति औसत मासिक व्यय (एमपीसीई) में सबसे बड़ी वृद्धि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में सबसे निचली पांच से 10 फीसदी आबादी के बीच देखी गई। यह सरकारी नीतियों के सकारात्मक प्रभाव को बताती है। सर्वे के अनुसार गरीबी के दुष्चक्र से कमजोर वर्ग को बाहर निकालने के लिए सरकार के उपायों का सकारात्मक परिणाम हुआ है, जो गरीबी कम करने के विभिन्न उपायों में प्रतिबिंबित होते हैं।

चार महीने के ऊपरी स्तर पर पहुंचा कच्चा तेल, ईरान को अमेरिका की चेतावनी से बढ़ी चिंता

नई दिल्ली।
अमेरिका और ईरान के बीच लगातार बढ़ रहे तनाव की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल (कच्चा तेल) की कीमत पिछले 4 महीने के ऊपरी स्तर पर पहुंच गई है। आज अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 70.31 प्रति बैरल के स्तर तक पहुंच गया। इसी तरह वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड पिछले साल सितंबर के बाद अभी तक के सबसे ऊंचे स्तर 65.09 डॉलर प्रति बैरल के स्तर तक आ गया। हालांकि भारतीय समय के मुताबिक शाम 6 बजे ब्रेंट क्रूड

2.19 प्रतिशत की मजबूती के साथ 69.90 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसी तरह डब्ल्यूटीआई क्रूड 2.30 प्रतिशत की तेजी के साथ 64.66 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंचा हुआ था।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी है कि यदि ईरान ने न्यूक्लियर डील नहीं की तो उस पर हमला किया जाएगा। ट्रंप की चेतावनी के कारण मिडल ईस्ट में तनाव बढ़ाने की आशंका बन गई है। ट्रंप की इस चेतावनी की वजह से कच्चे तेल की कीमत में तेजी का रुख बना हुआ है।
बताया जा रहा है कि ईरान और अमेरिका के बीच संभावित टकराव की आशंका को देखते हुए कच्चे तेल के आयातकों ने पिछले 14 महीने की अवधि में सबसे लंबे समय के लिए भारी प्रीमियम देने की भी तैयारी कर ली है। इस वजह से कुछ समय पहले तक अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़ती सप्लाई के कारण कच्चे तेल की कीमत में आ रही गिरावट के सिलसिले पर तो ब्रेक लगा ही है, इसकी कीमत एक बार फिर तेज होने लगी है।
मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर अमेरिका ने ईरान पर हमला किया तो मिडल ईस्ट से होने वाले कच्चे तेल की सप्लाई काफी हद तक प्रभावित हो सकती है। दुनिया भर में होने वाले कच्चे तेल की सप्लाई में मिडिल ईस्ट की हिस्सेदारी लगभग एक तिहाई की है।

डीपीआईआईटी ने वैश्विक मानक के साथ तालमेल बिठाने के लिए डिजाइन एक्ट, 2000 में संशोधन का रखा प्रस्ताव

नई दिल्ली।
उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) ने गुरुवार को एक अवधारणा नोट जारी किया है, जिसमें डिजाइन एक्ट, 2000 में बदलाव का प्रस्ताव दिया गया है, ताकि इसे वैश्विक सर्वोत्तम परीक्षण के साथ जोड़ा जा सके। इसका उद्देश्य भारत के डिजाइन संरक्षण ढांचे का आधुनिकीकरण करना और इसे अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप बनाना है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक इस अवधारणा पत्र में भारत को रियाद डिजाइन कानून संधि (डीएलटी) और औद्योगिक डिजाइनों के अंतरराष्ट्रीय पंजीकरण से संबंधित समझौते में शामिल करने का भी प्रस्ताव है। प्रस्ताव में यह भी कहा गया कि इन सुधारों का मकसद देश के डिजाइन प्रोटेक्शन फ्रेमवर्क को मॉडर्न बनाकर 'डिजाइन इन इंडिया, डिजाइन फॉर द वर्ल्ड' विजन को आगे बढ़ाना है। डीपीआईआईटी ने आगे की चर्चा और संशोधनों के डिटेल डेवलपमेंट के लिए स्टेकहोल्डर्स से इन प्रस्तावों पर कमेंट्स और सुझाव मांगे हैं।

इकोनॉमिक सर्वे के संकेतों ने बाजार में फूंकी जान, लगातार तीसरे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ स्टॉक मार्केट

नई दिल्ली।
इकोनॉमिक सर्वे (आर्थिक सर्वेक्षण) के संकेतों से उत्साहित निवेशकों ने आज घरेलू शेयर बाजार में जम कर लिवाली की। इस लिवाली के कारण शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन मजबूती के साथ हरे निशान में बंद होने में सफल रहा। हालांकि शुरूआती कारोबार में निगेटिव ग्लोबल सेंटीमेंट्स के कारण हुई बिकवाली की वजह से बाजार बड़ी गिरावट का शिकार हो गया था, लेकिन संसद में आर्थिक सर्वेक्षण पेश होने के बाद माहौल पूरी तरह से बदल गया। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने निचले स्तर से शानदार रिकवरी की। सेंसेक्स दिन के निचले स्तर से करीब एक हजार अंक उछल गया। इसी तरह निफ्टी ने निचले स्तर से लगभग 300 अंक की छलांग लगाई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.27 प्रतिशत और निफ्टी 0.30 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।
आज के कारोबार के दौरान फार्मास्यूटिकल, आईटी और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। इसी तरह ऑटोमोबाइल, कंज्यूमर ड्यूरेबल और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, मेटल, ऑयल एंड गैस और पावर सेक्टर के शेयरों में आज खरीदारी का रुख बना रहा। इसके अलावा एनर्जी, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, कैपिटल गुड्स और बैंकिंग इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। हालांकि चुनिंदा शेयरों के अलावा ब्रॉडर मार्केट में आज आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना रहा।
आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 20 हजार करोड़ रुपये से भी अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 459.76 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 459.53 लाख

करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 23 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।
आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,389 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,702 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,534 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 153 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,922 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,205 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,717 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए।
इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 13 शेयर बढ़त के साथ और 17 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 22 शेयर हरे निशान में और 28 शेयर लाल निशान में बंद हुए।
बीएसई का सेंसेक्स आज 24.28 अंक की मामूली बढ़त के साथ 82,368.96 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होने के थोड़ी देर बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से ये सूचकांक 636.74 अंक की कमजोरी के साथ 81,707.94 अंक के स्तर तक गिर गया। हालांकि संसद में इकोनॉमिक सर्वे पेश होने के बाद बाजार में उत्साह का माहौल बनता हुआ नजर आया। घरेलू निवेशकों के साथ ही विदेशी निवेशकों ने भी चौतरफा खरीदारी शुरू कर दी, जिससे सेंसेक्स ने रफ्तार पकड़ ली। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक शाम 3 बजे के करीब निचले स्तर से 982.02 अंक उछल कर 345.28 अंक की तेजी के साथ 82,689.96 अंक के स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई मामूली बिकवाली के कारण सेंसेक्स दिन के ऊपरी स्तर से लगभग 120 अंक फिसल कर 221.69 अंक की मजबूती के साथ 82,566.37 अंक के स्तर पर बंद हुआ।
सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने आज 2.25 अंक की सांकेतिक तेजी के साथ 25,345 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलने के थोड़ी देर बाद वैश्विक दबाव की वजह से हुई बिकवाली के कारण ये सूचकांक 182.95 अंक टूट कर 25,159.80 अंक के स्तर तक आ गया।
इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे निफ्टी की चाल में भी तेजी आने लगी।

आईसीसी रैंकिंग: सूर्यकुमार यादव की टॉप-10 में वापसी, अभिषेक नंबर 1 पर बरकरार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव बुधवार को जारी लेटेस्ट आईसीसी टी20आई रैंकिंग में टॉप 10 बल्लेबाजों की लिस्ट में वापस आ गए हैं। वह पांच पायदान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर पहुंच गए है, न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रही पांच मैचों की टी20आई सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद जिसमें भारत अभी 3-0 से आगे है।

भारतीय कप्तान जो सबसे छोटे फॉर्मेट में रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे थे, उन्होंने दूसरे मैच में 82 रनों की मैच जिताऊ पारी खेली और 468 दिनों के अपने अर्धशतक के सूखे को भी खत्म किया। सूर्यकुमार ने अगले मैच में भी इस लय को जारी रखा और सिर्फ 26 गेंदों में 57 रन बनाए। भारत के ओपनर अभिषेक शर्मा ने भी तीसरे टी20आई में 68 रनों की शानदार पारी खेलकर टॉप पर अपनी स्थिति मजबूत की। 929 अंकों के साथ उन्होंने टॉप पर अपनी बढ़त को 80 रेटिंग अंकों तक बढ़ा दिया है।

भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी तीसरे ज्ञ20द्व में ब्लैककैप्स के खिलाफ तीन विकेट लेने के बाद गेंदबाजों की रैंकिंग में चार स्थान ऊपर चढ़कर 13वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि टीम के साथी वरुण चक्रवर्ती ब्लैककैप्स के खिलाफ शानदार प्रदर्शन के बाद अभी भी टॉप पर अपनी स्थिति बनाए हुए हैं। ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या और शिवम दुबे ने मौजूदा सीरीज में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद रैंकिंग में अपनी बढ़त जारी रखी है। हार्दिक एक स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि दुबे पांच स्थान ऊपर चढ़कर ग्यारहवें स्थान पर आ गए हैं।

न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर ग्लेन फिलिप्स भारत के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन के बाद बल्लेबाजों की रैंकिंग में 18 स्थान ऊपर चढ़कर 44वें स्थान पर पहुंच गए हैं। जबकि साउथ अफ्रीका के कप्तान एडन मार्करम 20वें नंबर पर पहुंच गए हैं और वेस्टइंडीज के हार्ड-हिटर ब्रैंडन किंग भी 15 स्थान ऊपर आ गए हैं। अफगानिस्तान के मुजीब उर रहमान, साउथ अफ्रीका के कॉर्बिन बॉश और वेस्टइंडीज के सीमर मैथ्यू फोर्ड गेंदबाजों की रैंकिंग में पांच, आठ और उन्नीस स्थान ऊपर आ गए हैं।

इंग्लैंड की टॉप बैटिंग जोड़ी हैरी ब्रूक और जो रूट ने अपनी टीम को श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज जीतने में मदद की। नतीजतन ब्रूक 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं, और रूट छह स्थान ऊपर चढ़कर वनडे बल्लेबाजों की रैंकिंग में 17वें स्थान पर आ गए हैं।

ऑस्ट्रेलियन ओपन : मुसेट्टी के रिटायर होने से सेमीफाइनल में पहुंचे जोकोविच

मेलबर्न (एजेंसी)। सर्बियाई टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस के सेमीफाइनल में पहुंच गये हैं। है। जोकोविच इस बार किस्मत से सेमीफाइनल में पहुंचे गये क्योंकि क्वार्टर फाइनल में उनके विरोधी इटली के लोरेंजो मुसेट्टी बढ़त पर थे लेकिन तीसरे सेट में चोटिल होने के कारण उन्हें रिटायर होना पड़ा ऐसे में जोकोविच 13वीं बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में पहुंच गये।

मुसेट्टी ने एकल मुकाबले की शुरुआत अच्छी तरह की थी। उन्होंने पहला सेट 6-4 और दूसरा सेट 6-3 से जीता था। था। मुसेट्टी की तगड़ी सर्विस और बेसलाइन खेल से जोकोविच पर दबाव रहा। इससे जोकोविच दबाव में रहे। पहले सेट में मुसेट्टी ने बढ़त हासिल की। दूसरे सेट में भी वह बढ़त पर थे और उन्होंने सर्विस ब्रेक के साथ 6-3 से सेट जीत लिया।

हालांकि, तीसरे सेट के तीसरे गेम में मुसेट्टी के दाहिने पैर में चोट लगी और उनकी हड्डी टूट गई। फिजियो से इलाज के बाद वह खेलते रहे पर दर्द बढ़ने के कारण उन्हें मैच से बाहर होना पड़ा। मुसेट्टी के रिटायर होते हीं जोकोविच सेमीफाइनल में पहुंच गए।जोकोविच का सामना अब शुक्रवार को सेमीफाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त जैनिक सिनर और आठवें वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन के बीच होने वाले क्वार्टरफाइनल मैच के विजेता से होगा।

टी20 विश्वकप में कोई टीम भारत के सामने टिक नहीं पायेगी : इरफान पठान

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा है कि इस बार भारतीय टीम अपनी धरती पर होने वाले टी20 विश्वकप को जीतने की प्रबल दावेदार रहेगी। पठान के अनुसार जिस प्रकार के फार्म में भारतीय टीम अभी है उससे कोई भी टीम उसके सामने नहीं टिक पायेगी। पठान ने कहा कि जिस प्रकार भारतीय टीम ने हाल के समय में खेला है और न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज पर कब्जा किया है उससे उसके बुलंद हौसले का अंदाजा लगाया जा सकता है। टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों ही लाजवाब है। ट20 वर्ल्ड कप से पहले भारतीय टीम का आक्रामक प्रदर्शन देखकर ही अन्य टीमें दबाव में आ जाएंगी। भारतीय टीम ने कीवी टीम के खिलाफ जिस प्रकार तेजी से लक्ष्य का पीछा किया है। उसे पता चलता है कि टीम निडर होकर खेल रही है। साथ ही कहा कि जो भी टीम भारतीय टीम के बीच आयेगी वह ध्वस्त हो जाएगी।

साथ ही कहा कि टीम का लक्ष्य अपनी खिताब बरकरार रखना रहेगा। आज तक मेजबानी करने वाली टीमों ने टी20 विश्व कप नहीं जीता है। इसलिए भारतीय टीम इस बार जीत के साथ ही इस मिथ को भी तोड़ देगी। टीम बड़ जीत दर्ज कर विश्वकप में इतिहास रच देगी। पठान ने कहा है कि भारतीय टीम तकरीबन अपराजेय दिख रही है। ऐसी टीम जिसे हराना लगभग असंभव है। पठान ने कहा, 'इस भारतीय टीम को हराना करीब करीब असंभव सा लग रहा है। उनके खेल को देखकर ऐसा लग रहा है कि जो भी इनके खिलाफ आएगा वो पूरी तरह बिखर जाएगा'

न्यूजीलैंड के खिलाफ मौजूदा सीरीज के तीसरे टी20 मैच का उदाहरण देते हुए पठान ने कहा कि जब विकेट गिर जा रहे थे तो भी टीम के आक्रामक अंदाज में बदलाव नहीं आया। पठान ने आगे कहा, 'भारतीय टीम का यही आक्रामक अंदाज ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड और वेस्टइंडीज जैसी टीमों के लिए डरावना रहेगा। भारतीय टीम अविश्वसनीय क्रिकेट खेल रही है। भारतीय टीम विश्व कप से पहले दूसरी टीमों पर दबाव बना रही है।' टी20 वर्ल्ड कप 7 फरवरी से भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा।

श्रीकांत ने पाकिस्तान पर कसा तंज , हार से बचने कोई बहाना बनाकर विश्वकप से हटना ही होगा बेहतर

चेन्नई (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अगले माह भारत और श्रीलंका में संयुक्त रूप से होने वाले टी20 विश्वकप के बहिष्कार की धमकी दे रहा है। पाकिस्तान का कहना है कि उसने अभी विश्वकप में भाग लेने को लेकर कोई अंतिम फैसला नहीं किया है और सरकार के संदेश को इंतजार कर रहा है। वहीं ये भी कहा जा रहा है कि वह विश्वकप में भले ही भाग ले पर भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले मैच में शायद ही खेले। इसी को लेकर भारतीय टीम के पूर्व कप्तान कप विजेता टीम के सदस्य रहे के श्रीकांत ने पाक टीम पर तंज कसते हुए कहा है कि वह कोई बहाना बनाकर हट जाये क्योंकि अगर वह खेलती भी है तो उसे भारतीय टीम के खिलाफ करारी हार झेलनी पड़ेगी। श्रीकांत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम के अच्छे प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारतीय टीम जबरदस्त लय में है और जो भी टीम बीच में आयेगी उसे हार का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा, 'पिछले दूसरे टी20 मैच में भारतीय टीम ने 15 ओवर में ही 208 रन बना लिए। वहीं तीसरे मैच में भी टीम ने आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। । इसे देखते हुए कई टीमें तो कह रही होंगी- नहीं, हम नहीं आ रहे हैं। आप कप रख सकते हो।'

वहीं पाक को लेकर श्रीकांत ने कहा, मत ही आओ तो अच्छा रहेगा। तुम्हारे पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी भी कह रहे हैं मत जाओ। आप पीटे जाओगे। कोलंबो में लगा सिक्स मद्रास में गिरेगा। सावधान। सबसे अच्छा दूर रहना ही बेहतर होगा। बहाना बना लो और मत आओ। टी20 क्रिकेट में आजकल जिस प्रकार का आक्रामक अंदाज भारतीय टीम ने दिखाया है उसे देखकर कोई भी टीम आने की नहीं सोचेगी।गौरतलब है कि बांग्लादेश के टी20 विश्वकप से बाहर रहने के फैसले के बाद से ही पाक ने भी कई बार टूर्नामेंट के बहिष्कार की धमकी दी है हालांकि एक ओर उसने टीम भी घोषित कर दी है। वहीं पाक मीडिया में अटकलें हैं कि पाकिस्तान भले टी20 विश्व कप का बहिष्कार न करे लेकिन वह 15 फरवरी को भारत के साथ होने वाले ग्रुप मैच का

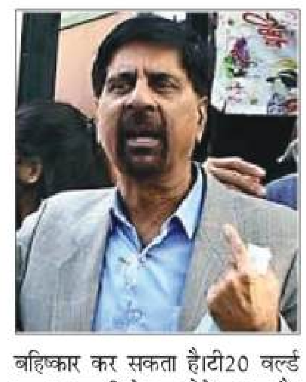

बहिष्कार कर सकता है।टी20 वर्ल्ड कप 7 फरवरी से शुरू होने जा रहा है। इसकी संयुक्त मेजबानी भारत और श्रीलंका कर रहे हैं। टूर्नामेंट में कुल 20 टीमें हिस्सा ले रही हैं जिन्हें 5-5 के कुल 4 ग्रुप में बांटा गया है।

टी20 विश्वकप में होप की कप्तानी में उतरेगी वेस्टइंडीज

जमैका । वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड ने अगले माह भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्वकप के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। शाई होप की कप्तानी में टीम इस टूर्नामेंट में उतरेगी। 15 सदस्यीय दल में अनुभवी जेसन होल्डर और रोवमैन पॉवेल को भी शामिल किया गया है। टूर्नामेंट 7 फरवरी से शुरु होगा। इसमें वेस्टइंडीज अपना पहला मैच स्कॉटलैंड से कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेलेगी। वेस्टइंडीज ने अपनी टीम में युवा बल्लेबाज़ क्विंटन सैंपसन को भी शामिल किया है। सैंपसन ने हाल ही में दुबई में अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज़ में टी20 डेब्यू किया था। सैंपसन ने सीपीएल लीग में गुयाना अमेज़न वॉरियर्स के लिए सबसे ज्यादा रन बनाये थे। इस क्रिकेटर ने 9 पारियों में 151.57 के स्ट्राइक रेट से 241 रन बनाये थे। टीम में रोस्टन चेस, अकील होसैन और शेरफेन रदरफोर्ड व रोमारियो शेफर्ड को भी शामिल किया गया है।

तेज़ गेंदबाज़ शमार जोसेफ को भी टीम में जगह मिली है। टीम की तेज़ गेंदबाज़ी की कमान शमार जोसेफ के पास रहेगी। उनका साथ जेसन होल्डर, मैथ्यू फोर्ड और जेडन सील्स देंगे। स्पिनर के तौर पर अकील होसैन के के अलवा रोस्टन चेस और गुडाकेश मोटी रहेंगे। वेस्टइंडीज की टीम में पिछले विश्व कप के 11 खिलाड़ी शामिल हैं। एविन लुईस और अल्ज़ारी जोसेफ को चोट के कारण टीम में जगह नहीं मिली है।

आईसीसी ने बांग्लादेशी मीडिया को नहीं दी भारत में टी20 विश्वकप मैचों के कवरेज की अनुमति

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि अगले माह खेले जाने वाले टी20 विश्वकप के भारत में होने वाले मैचों की कवरेज की अनुमति बांग्लादेशी मीडिया को नहीं है। ऐसे में अब बांग्लादेशी पत्रकार इन मैचों को कवर करने भारत नहीं आ सकेंगे। आईसीसी ने विश्व कप 2026 के भारत में होने वाले मैचों को कवर करने के लिए बांग्लादेशी पत्रकारों के आवेदन को ठुकरा दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार आईसीसी अधिकारियों ने कहा है कि बांग्लादेश की सरकार और क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने सुरक्षा कारणों से अपनी टीम को भारत नही भेजने की बात कही है। इसी को देखते हुए बांग्लादेशी पत्रकारों के वीजा और एक्रेडिटेशन (अधिमान्यता) आवेदन खारिज कर दिए गए हैं। विश्व कप का आयोजन भारत और श्रीलंका में संयुक्त रुप से 7 फरवरी से 6 मार्च तक होगा। आईसीसी के अनुसार जब बांग्लादेशी सरकार भारत को सुरक्षित नहीं मानती है तब कैसे उसके पत्रकारों को प्रवेश की अनुमति दी जा सकती है। वहीं एक रिपोर्ट के मुताबिक, कई बांग्लादेशी पत्रकारों ने कहा था कि उन्हे शुरू में 20 और 21 जनवरी को आवेदन मंजूरी वाले ईमेल मिले थे पर बाद में इन्हें रद्द कर दिया गया। वहीं बांग्लादेशी मीडिया कमेटी के चेयरमैन अमजद हुसैन का मानना है कि बांग्लादेश के 130 से 150 पत्रकारों ने अधिमान्यता के लिए आवेदन किया किया था ।अमजद ने कहा, सभी बांग्लादेशी पत्रकारों के आवेदन को खारिज कर दिया गया था। इस साल करीब 130 से 150 पत्रकारों ने आवेदन किया था पर किसी को भी अधिमान्यता नहीं मिली ।एक वरिष्ठ पत्रकार ने कहा, भले ही कोई टीम नहीं खेल रही हो, आईसीसी एसोसिएट सदस्य देशों के पत्रकारों को अभी भी एक्रेडिटेशन मिल सकता है।

क्विंटन डी कॉक वेस्टइंडीज के खिलाफ बड़ा मुकाम हासिल करने उतरेंगे, मात्र 2 रन की जरुरत

सेंचुरियन (दक्षिण अफ्रीका)। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज क्विंटन डी कॉक बुधवार से सेंचुरियन में वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू होने वाले दूसरे टी20आई मैच में टी20 क्रिकेट में 12000 रन के आंकड़े को छूने से सिर्फ दो रन दूर हैं। सीरीज में 1-0 की बढ़त के साथ प्रोटियाज सेंचुरियन में दूसरे टी20आई में विंडीज से भिड़ेंगे। वह

पहला टी20आई मैच नहीं खेल पाए थे और हाल ही में खत्म हुए SA20 सीजन में सनराइजर्स ईस्टर्न केप के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले और 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' रहे डी कॉक फरवरी में टी20 वर्ल्ड कप शुरू होने से पहले अपनी नेशनल टीम के लिए कुछ कीमती गेम प्रैक्टिस करना चाहेंगे। फ्रेंचाइजी क्रिकेट की विभिन्न लीगों और अपने देश के लिए 429 टी20 मैचों में उन्होंने 429 मैचों और 415 पारियों में 31.24 की औसत से कुल 11,198 रन बनाए हैं जिसमें स्ट्राइक रेट 138 से अधिक है जिसमें 7 शतक और 81 अर्धशतक और सर्वश्रेष्ठ स्कोर 140* शामिल है। वह इस फॉर्मेट में 11वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। साउथ अफ्रीका के लिए 100 टी20आई में उन्होंने 99 पारियों में 30.78 की औसत और 140 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 2,771 रन बनाए हैं, जिसमें उनके नाम एक शतक और 18 फिफ्टी हैं और बेस्ट स्कोर 100 है।

ऑस्ट्रेलियन ओपन: सिनर खिताबी हैट्रिक के करीब, जोकोविच भाग्य के सहारे सेमीफाइनल में पहुंचे

मेलबर्न (एजेंसी)। विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी और दो बार के डिफेंडिंग चैंपियन यानिक सिनर ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। वहीं रिकॉर्ड 10 बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच किस्मत के सहारे अंतिम चार में जगह बनाने में सफल रहे।

सिनर की लगातार तीसरी खिताबी दौड़

यानिक सिनर ने क्वार्टरफाइनल में अमेरिका के आठवीं वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन को 6-3, 6-4, 6-4 से हराया। दो घंटे 23 मिनट तक चले इस मुकाबले में सिनर ने शुरू से अंत तक नियंत्रण बनाए रखा। वह अब लगातार तीसरी बार ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतने से सिर्फ दो जीत दूर हैं।

चोट ने बदली जोकोविच की किस्मत

नोवाक जोकोविच क्वार्टरफाइनल में

इटली के पांचवीं वरीयता प्राप्त लोरेंजो मुसेटी के खिलाफ शुरुआती दो सेट 4-6, 3-6 से हार चुके थे। तीसरे सेट में मुसेटी को दाहिने पैर में चोट लग गई, जिसके बाद उन्होंने मेडिकल टाइमआउट लिया और अंततः मैच से हटने का फैसला किया। इस तरह जोकोविच को सेमीफाइनल में एंट्री मिल गई।

'आज मेरा दिन नहीं था' - जोकोविच

मैच के बाद जोकोविच ने कहा, 'मुझे मुसेटी के लिए बहुत दुख है। वह आज मुझसे बेहतर खेल रहा था। ईमानदारी से कहूं तो आज मेरा दिन नहीं था, लेकिन टेनिस में कभी-कभी किस्मत भी अहम भूमिका निभाती है।'

सेमीफाइनल की बड़ी टक्कर

पुरुष वर्ग के सेमीफाइनल में अब यानिक सिनर का सामना नोवाक जोकोविच से होगा। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में विश्व नंबर-1 कार्लोस अल्काराज़ और तीसरे वरीय अलेक्जेंडर ज्वेरेव आमने-सामने होंगे।

महिला वर्ग में भी रोमांच

महिला सिंगल्स में पांचवीं वरीयता प्राप्त एलिना रयबाकिना और छठी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं।रयबाकिना ने विश्व नंबर-2 इगा स्वियातेक को 7-5, 6-1 से हराया। पेगुला ने चौथी वरीय अमांडा अनिसिमोवा को 6-1, 7-6 से मात दी। दूसरे सेमीफाइनल में शीर्ष वरीय एरिना सबालेंका का सामना एलिना स्वितोलिना से होगा।

थाईलैंड मास्टर्स में अश्मिता चालिहा का दमदार वापसी, मेन ड्रॉ में बनाई जगह

पटुमवान (एजेंसी)। भारत की अश्मिता चालिहा ने पटाया में खेले गए दो कड़े क्वालिफाइंग मुकाबले जीतकर थाईलैंड मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला सिंगल्स मेन ड्रॉ में जगह बना ली। 26 वर्षीय अश्मिता ने अपने अभियान की शुरुआत चीनी ताइपे की ऊंची रैंकिंग वाली हंग यी टिंग के खिलाफ तीन गेम के रोमांचक मुकाबले से की, जिसे उन्होंने 15-21, 21-12, 21-12 से अपने नाम किया। पहला गेम गंवाने के बाद दुनिया की 87वीं रैंक वाली अश्मिता ने शानदार वापसी करते हुए दूसरे और तीसरे गेम में पूरा नियंत्रण बनाए रखा और मैच का रुख पलट दिया। उन्होंने इस लय को अंतिम क्वालिफाइंग राउंड में भी बरकरार रखा, जहां उन्होंने कोरिया गणराज्य की किम जूउन को 21-11, 10-21, 21-16 से हराकर मेन ड्रॉ का टिकट पक्का किया। निर्णायक गेम में स्कोर 15-15 की बराबरी पर पहुंचने के बाद अश्मिता ने जबरदस्त धैर्य और आक्रामक खेल दिखाया और लगातार अंक जुटाकर मुकाबला अपने नाम किया। सुपर 300 श्रेणी के इस टूर्नामेंट में क्वालिफाइंग राउंड से आगे बढ़ने वाली वह एकमात्र भारतीय खिलाड़ी रहीं। डबल्स वर्ग में भारत का सफर जल्दी समाप्त हो गया। पुरुष डबल्स में साई प्रतीक के और पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय को मलेशिया की जोड़ी नूर मोहम्मद अजरीन अयूब और टैन वी कियॉंग ने 22-20, 22-20 से हराया। महिला डबल्स में रुतपर्णा पांडा और स्वेतापर्णा पांडा को चीन की बाओ ली जिंग और ली यी जिंग से सीधे गेम में हार मिली, जबकि अश्विनी भट्ट के और शिखा गौतम को इंडोनेशिया की फेब्रियाना कुसुमा और मेलिसा पुष्पितसारी ने बाहर किया। इसके अलावा सानिया सिकंदर और रश्मि गणेश भी क्वालिफाइंग राउंड में बाहर हो गईं। सिंगल्स क्वालिफायर में सतीश कुमार और सनीथ दयानंद पुरुष सिंगल्स से बाहर हुए, जबकि श्रेया लेले महिला सिंगल्स मेन ड्रॉ में जगह नहीं बना सकीं। मिक्स्ड डबल्स में मोहित जगलान और लक्षिता जगलान का सफर भी क्वालिफायर में ही समाप्त हो गया। भारत का मेन-ड्रॉ अभियान बुधवार से शुरू होगा, जिसमें मालविका बंसोड़, अनमोल खरब, किरण जॉर्ज और प्रियांशु राजावत अपने-अपने मुकाबलों में उतरेंगे।

टी20 वर्ल्ड कप : भारत-पाकिस्तान मैच पर सस्पेंस, पीसीबी को एक गलत फैसले से हो सकता है भारी नुकसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी मेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले पाकिस्तान क्रिकेट टीम की भागीदारी को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। खास तौर पर भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाले हाई-वोल्टेज मुकाबले पर सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) इस अहम फैसले पर राजनीतिक दबाव, कानूनी जोखिम और संभावित आर्थिक नुकसान को ध्यान में रखते हुए बेहद सतर्कता से विचार कर रहा है। बोर्ड के शीर्ष स्तर पर लगातार बैठकों और सलाह-मशविरे का दौर जारी है, जिससे यह मामला सिर्फ क्रिकेट तक सीमित नहीं रह गया है।

PCB के फैसले पर क्यों बना हुआ है सस्पेंस

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने संकेत दिए हैं कि वह इस शुक्रवार या अगले सोमवार तक टी20 वर्ल्ड कप 2026 को लेकर अपना रुख स्पष्ट कर सकता है। हालांकि, पूरे टूर्नामेंट के बहिष्कार की संभावना बेहद कम मानी जा रही है। फिलहाल चर्चा का केंद्र केवल भारत के खिलाफ होने वाला मुकाबला है, जो वर्ल्ड कप का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला मैच माना जाता है। PCB इस बात को भली-भांति समझता है कि एक गलत फैसला क्रिकेट के साथ-साथ देश की अंतरराष्ट्रीय छवि पर भी असर डाल सकता है।

राजनीतिक और सरकारी स्तर पर मंथन

PCB चेयरमैन मोहसिन नकवी ने हाल ही में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से लंबी बैठक की, जिसमें इस मुद्दे पर सभी संभावित विकल्पों पर चर्चा हुई। नकवी सरकार के शीर्ष नेतृत्व से मार्गदर्शन चाहते हैं ताकि कोई भी कदम उठाने से पहले उसके दूरगामी राजनीतिक और कूटनीतिक परिणामों को समझा जा सके। इसके अलावा, नकवी ने राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी से भी इस मामले पर सलाह ली है, जो दर्शाता है कि यह फैसला सिर्फ खेल प्रशासन का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर का मुद्दा बन चुका है।

PCB के भीतर क्या चल रही है चर्चा

रिपोर्ट्स के मुताबिक, PCB के अंदर भारत के खिलाफ मैच का बहिष्कार एक गंभीर विकल्प के रूप में मौजूद है। हालांकि, यह फैसला पूरी तरह परिस्थितियों पर निर्भर करेगा। अगर पाकिस्तान टूर्नामेंट में हिस्सा लेता है, तो भारत के खिलाफ खेलने या न खेलने का अंतिम निर्णय शुरुआती दो मैचों के बाद लिया जा सकता है। पाकिस्तान को 7 फरवरी को नीदरलैंड्स और 10 फरवरी को अमेरिका के खिलाफ अपने पहले दो मुकाबले खेलने हैं।

जीत या हार से बदल सकता है फैसला

सूत्रों के अनुसार, अगर पाकिस्तान अपने शुरुआती दोनों मैच जीत लेता है, तो भारत के खिलाफ मुकाबले का बहिष्कार करने की संभावना मजबूत हो सकती है। लेकिन यह कदम PCB के लिए भारी जोखिम लेकर आ सकता है। भारत-पाकिस्तान मैच न खेलना सिर्फ खेल के लिहाज से नहीं, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी बड़ा नुकसान साबित हो सकता है।

ब्रॉडकास्ट डील और कानूनी जोखिम

PCB के कानूनी सलाहकारों ने बोर्ड को आगाह किया है कि इस समय ICC की भारत स्थित ब्रॉडकास्टर जियोस्टार स्पोर्ट्स के साथ करीब 3 अरब डॉलर की डील चल रही है, जो 2027 तक वैध है। अगर भारत-पाकिस्तान मुकाबला नहीं होता, तो ब्रॉडकास्टर ICC के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर सकता है। ऐसी स्थिति में ICC, PCB को नोटिस जारी कर सकता है और सदस्य देशों को मिलने वाली वार्षिक फंडिंग पर भी असर पड़ सकता है।

पाकिस्तान क्रिकेट के भविष्य पर असर

PCB सूत्रों का मानना है कि यह फैसला सिर्फ एक मैच या एक टूर्नामेंट तक सीमित नहीं है। इससे पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय छवि, भविष्य में ICC टूर्नामेंट की मेजबानी की दावेदारी और बोर्ड की स्थिति पर गहरा असर पड़ सकता है। यही वजह है कि PCB जल्दबाजी में कोई कदम उठाने के मूड में नहीं है और हर पहलू को तौलने के बाद ही अंतिम फैसला लेना चाहता है।

महिला प्रीमियर लीग में जेमिमा पर 12 लाख का जुर्माना लगा

नई दिल्ली । दिल्ली कैपिटल्स को दोहरा झटका लगा है। महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) में जहां उसे करीबी मुकाबले में गुजरात टाइटंस के खिलाफ हार का

सामना करना पड़ा है। वहीं दिल्ली की कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स पर 12 लाख का जुर्माना भी लगा है। दिल्ली को गुजरात जायंट्स ने 3 रन से हरा दिया था। वहीं दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान जेमिमा पर धीमे ओवर रेट के लिए 12 लाख का जुर्माना भी लगाया गया है। यह जुर्माना धीमी ओवर गति के कारण लगाया गया है। लीग ने यह भी स्पष्ट किया कि इस सत्र में ये जेमिमा की पहली गलती है। इसलिए उनपर केवल जुर्माना ही लगाया गया है ।टीम अब तक 7 मैचों में छह अंकों के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर है। इसका नेट रन रेट -0.164 हो गया है। इससे उसके प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीद काफी कम हो गयी है। अब प्लेऑफ की संभावना को बनाए रखने के लिए दिल्ली को 1 फरवरी को यूपी वॉरियर्ज के खिलाफ होने वाले अपने अंतिम लीग मुकाबले को हर हाल में जीतना होगा।

बुजुर्गों में ज्यादा होनी चाहिए विटामिन 'K' की मात्रा

जब आप विटामिन के बारे में सोचते हैं तो आप आपको पता होना चाहिए की आपके शरीर को स्वस्थ रखने के लिए विटामिन कितने जरूरी होते हैं। वैसे तो विटामिन सभी उम्र के लोगों के लिए जरूरी होते हैं क्योंकि वो हमारे शरीर को कई तरह से स्वस्थ रखने का काम करते है।
विटिमिन K उन लोगों के लिए ज्यादा जरूरी हो जाते हैं जो वृद्ध उम्र में होते हैं। बोस्टन की टफ्ट यूनिवर्सिटी में विटामिन K लैब के डायरेक्टर सरह बूथ के मुताबिक, जो लोग वृद्ध उम्र में होते हैं उनमें काफी कम मात्रा में विटामिन पाया जाता है। जो कि उनको स्वस्थ रहने के लिए काफी जरूरी है। उस उम्र के लोगों को विटामिन च की पूर्ति करनी चाहिए जिससे की उनका शरीर स्वस्थ रहे।
एक अध्ययन के मुताबिक, जिसमें सरह और उनके साथी मौजूद थे उसमें जो वृद्ध लोगों में कम ब्लड लेवल था उनमें विटामिन की कमी थी जिसके कारण वह फिजिकल एक्टिविटी में भी एक्टिव नहीं थे। जबकि जिनका ब्लड लेवल ज्यादा था उनमें ऐसा नहीं था।
2015 के एक अध्ययन में 65 साल और उससे ज्यादा उम्र के लोग जो ज्यादा विटामिन K की पूर्ति करते थे उनकी सेहत काफी अच्छी थी। लेकिन जिन लोगों में विटामिन K की कमी थी वो उतने स्वस्थ नहीं थे जो कि जर्नल न्यूट्रीएंट्स में प्रकाशित हुई थी।

विटामिन 'के' क्यों है जरूरी

विटामिन K हमारी हड्डियों की मजबूती के लिए बहुत जरूरी है। अगर आपके शरीर में विटामिन 'के' की कमी है, तो चोट लगने या कटने पर बहुत ज्यादा ब्लीडिंग होती है। क्योंकि विटामिन 'के' ब्लड क्लॉटिंग में मदद करता है। अगर इस विटामिन की शरीर में ज्यादा कमी हो जाए, तो कई बार आपके शरीर के अंगों में अंदरूनी ब्लीडिंग हो सकती है, जो बहुत खतरनाक है। शरीर की हड्डियों में कैल्शियम की मात्रा को पहुँचाने में सहायक होता है। जो रक्त के स्त्राव के समय रक्त को थक्का बनाकर रोकने के लिए आवश्यक होता है। विटामिन के शरीर में रक्त के संचार को नियंत्रित रखता है। इससे ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है। गर्भवती महिलाओं में विटामिन 'के' भ्रूण के विकास के लिए जरूरी होता है। इसके अलावा भी ये शरीर की कई समस्याओं से बचाव के लिए जरूरी होते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि विटामिन 'के' आपको किन आहारों से मिलता है। आइए हम आपको बताते हैं ऐसी 5 सब्जियां, जिनसे आपको मिलता है भरपूर विटामिन 'के'।
विटामिन 'के' का मुख्य स्त्रोत हरी सब्जियां होती है, जैसे – सरसों का साग,बन्दागोभी, मूली, चुकंदर की पत्तियों में, पालक, गेहूं और फल।

महिलाओं में होने वाली दूसरी सबसे बड़ी बीमारी है सर्वाइकल कैंसर

भारत में स्तन कैंसर के बाद महिलाओं में होने वाली दूसरी बड़ी बीमारी है सर्वाइकल कैंसर। एचजीसी कैंसर सेंटर की सितंबर 2019 की रिपोर्ट के अनुसार, 53 में से 1 भारतीय महिला को जीवनकाल में यह बीमारी होती है। गर्भाशय में कोशिकाओं (सेल्स) की अनियमित वृद्धि के कारण यह कैंसर होता है। समय रहते इसका उपचार किया जाए तो बचा जा सकता है, लेकिन सबसे बड़ी समस्या है जागरुकता का अभाव।

भारत ही नहीं कई देशों में यही स्थिति है। जैसे- ऑस्ट्रेलियन इंस्टिट्यूट ऑफ हेल्थ एंड वेलफेयर की रिपोर्ट के अनुसार, वहां 45 फीसदी महिलाओं को इस बीमारी की मूलभूत जानकारी नहीं है। बहरहाल, सबसे अच्छी बात यह है कि अन्य प्रकार के कैंसर को नहीं रोका जा सकता, लेकिन सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम संभव है। ताजा खबर यह है कि अक्टूबर 2019 में ऑस्ट्रेलिया की क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने इस कैंसर के इलाज का दावा किया है। जिन एडिटिंग टेक्नोलॉजी का चूहों पर सफल परीक्षण किया है।

सर्वाइकल कैंसर के लक्षण

- नेशनल सेंटर ऑफ बायोटेक्नोलॉजी इंफोर्मेशन (एनसीबीआई) के अनुसार, स्त्री रोग संबंधी लक्षण ही सर्वाइकल कैंसर की शुरुआत होते हैं। इसलिए इन्हें हल्के में न लेते हुए डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।
- अगर व्हाइट डिस्चार्ज की शिकायत है तो इसे हल्के में न लें। वेजाइना से बदबूदार पानी का रिसाव होना सर्वाइकल कैंसर का एक लक्षण है। तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।
- पेट के निचले भाग में दर्द हो और इसके साथ ही पीरियड्स के बीच में स्पॉटिंग या संबंध बनाते समय ब्लीडिंग हो तो चिंता का विषय है।
- पेशाब करते समय दर्द होने का मतलब है कि कैंसर यूरिन थैली तक पहुंच गया है। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से जांच करवाना चाहिए।

बरतें ये तीन बड़ी सावधानियां

- शरीर की साफ-सफाई का खास ध्यान रखें। थोडी-सी सावधानी आपको इस कैंसर से बचा सकती है। सर्वाइकल कैंसर बच्चेदानी के भीतरी व बाहरी किसी भी सतह पर हो सकता है।
- यह कैंसर असुरक्षित यौन संबंध बनाने से भी फैलता है। इसलिए पार्टनर से संबंध बनाते समय सेफ्टी का ध्यान रखें।
- अगर महिलाएं नियमित रूप से अपना पैप टेस्ट करवाती हैं तो आप पूरी तरह से इस बीमारी से बच सकती हैं।

संभव है सर्वाइकल कैंसर का इलाज

सर्वाइकल कैंसर से निजात पाने के लिए वेक्सीनेशन, सर्जरी और कीमोथेरेपी का सहारा लेना पड़ता है। इस बीमारी से बचने के लिए 30 साल से कम उम्र की महिलाओं को वैक्सीन दी जाती लेकिन इससे भी केवल 70 फीसदी ही बचाव किया जा सकता है।

आसान है सर्वाइकल कैंसर की जांच

स्त्रीरोग संबंधी आम बीमारियां दवा लेने से भी दूर नहीं हो रही है तो सर्वाइकल कैंसर की जांच जरूरी हो जाती है। यह जांच है पैप स्मीयर टेस्ट। नेशनल इंस्टिट्यूट बायो-टेक्नोलॉजी इन्फोर्मेशन की रिपोर्ट के अनुसार, इस कैंसर का पता लगाने के लिए पैप स्मीयर टेस्ट या पैप टेस्ट की सलाह दी जाती है। महज 10 से 20 मिनट में होने वाले इस टेस्ट की रिपोर्ट सामान्य, अस्पष्ट या असामान्य आ सकती है।

सामान्य: यदि पैप टेस्ट का परिणाम सामान्य आता है तो रिपोर्ट को 'निगेटिव' बताया जाता है। इसका मतलब है कि टेस्ट में कैंसर के कोई लक्षण नहीं है।

अस्पष्ट: टेस्ट रिजल्ट अस्पष्ट भी आ सकते हैं। रिजल्ट अस्पष्ट आने का मतलब है कि आपकी ग्रीवा कोशिकाएं ऐसी दिखती हैं जैसे वे असामान्य हो सकती हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि यह एचपीवी से संबंधित है या नहीं। यह गर्भावस्था, रजोनिवृत्ति या संक्रमण जैसे बदलावों से संबंधित हो सकता है। एचपीवी टेस्ट यह पता लगाने में मदद कर सकता है कि क्या आपके सेल में परिवर्तन एचपीवी से संबंधित हैं।

असामान्य: यदि पैप टेस्ट असामान्य है तो 'पॉजिटिव रिजल्ट' कहा जाता है। रिजल्ट पॉजिटिव आने का यह मतलब नहीं है कि आपको कैंसर ही है। इसका मतलब यह है कि गर्भ में कुछ असामान्य कोशिकाएं है जो आगे चलकर कैंसर के रूप में विकसित हो सकती है। गर्भाशय ग्रीवा पर असामान्य परिवर्तन एचपीवी द्वारा हो सकता है। परिवर्तन मामूली (कम-ग्रेड) या गंभीर (उच्च-ग्रेड) हो सकते हैं। लेकिन यदि उन कोशिकाओं को हटाया नहीं जाता है तो ये गंभीर बदलाव कैंसर में बदल सकती हैं।

पैप टेस्ट की रिपोर्ट के बाद कुछ मामलों में डॉक्टर अन्य जांचें भी करवाते हैं। कोल्पोस्कोपी के जरिए योनिमार्ग और बच्चेदानी के मुख में होने वाले परिवर्तन या बदलाव की जांच एक यंत्र द्वारा की जाती है। बायोप्सी में बच्चेदानी के मुख से छोटा-सा टुकड़ा लिया जाता है और लैब में कैंसर के परिवर्तन देखे जाते है। यह प्रक्रिया बाह्य रोगी विभाग में ही सम्पन्न की जाती है।

कैंसर, कब्ज, गठिया में फायदा देते हैं काली सरसों के बीज

काली सरसों एक पौधा है, जिसके फूल पीले रंग के होते हैं। सरसों के पौधे की लगभग 40 विभिन्न प्रजातियां हैं। सरसों के बीज से तेल निकाला जाता है, जिसका उपयोग भोजन बनाने, औषधि के रूप में और दवा बनाने के लिए किया जाता है। काली सरसों के बीज को भोजन में एक सामग्री के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। काली सरसों को आमतौर पर सब्जी या दाल में तड़का देने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। साउथ इंडियन फूड में काले सरसो का इस्तेमाल बहुतायत किया जाता है। सरसों के बीज से तेल बाकी कुकिंग ऑयल से ज्यादा फायदेमंद होता है। इसमें अच्छे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो छोटी-छोटी परेशानियों से आपको दूर रखते हैं।

खाद्य पदार्थों में भी, काली सरसों के बीज का उपयोग मसाले के रूप में और सरसों के मसाला स्वाद के लिए किया जाता है। सरसों का मसाला बनाने के लिए आमतौर पर तीन अलग-अलग प्रकारों का उपयोग किया जाता है। काली सरसों (ब्रैसिका निग्रा) सबसे तीखी होती है। सफेद सरसों (ब्रैसिका अल्बा) सबसे सौम्य है और पारंपरिक अमेरिकी पीली सरसों बनाने के लिए उपयोग की जाती है। ब्राउन सरसों (ब्रैसिका जंकिया) गहरे पीले रंग की होती है, इसमें तीखा स्वाद होता है, और इसे डिजोन सरसों बनाने के लिए उपयोग किया जाता है।

बीमारियों को दूर भगाते हैं काली सरसों के बीज

काली सरसों का तेल आम सर्दी, जोड़ों और मांसपेशियों (गठिया) के दर्द, और गठिया के लिए उपयोग किया जाता है। इसके अलावा काली सरसों के बीज का उपयोग उल्टी पैदा करने, मूत्र उत्पादन में वृद्धि और भूख बढ़ाने के लिए पानी की अवधारण (एडिमा) से राहत के लिए किया जाता है।

कुछ लोग पिसी हुई काली सरसों को गर्म पानी में मिलाकर पेस्ट बनाते हैं। वे पेस्ट को कपड़े में पैक करते हैं और कपड़े को सीधे त्वचा पर सरसों के प्लास्टर के रूप में लगाते हैं। इस तैयारी का उपयोग फेफड़े (फुफ्फुसीय), गठिया, पीठ के निचले हिस्से के दर्द के निमोनिया, दर्द और सूजन के इलाज के लिए किया जाता है।

काली सरसों के बीज के लाभ

कैंसर में है लाभकारी: सरसों के बीज ग्लूकोसाइनोलेट्स और मायरोसिनस जैसे यौगिकों से भरे होते हैं, जो शरीर में कैंसर पैदा करने वाली कोशिकाओं की वृद्धि को रोकते हैं। जर्नल ह्यूमन एंड एक्सपेरिमेंटल टॉक्सिकोलॉजी में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, छोटे बीजों में कीमोप्रेटिव क्षमता हो सकती है और कार्सिनोजेन्स के प्रभाव से बचाव हो सकता है।

पाचन को सुदृढ़ करता है: सरसों के बीज आपके पाचन तंत्र के लिए भी उत्कृष्ट हैं। अगर आप अपच की समस्या से पीडति हैं तो सरसों के बीज इससे छुटकारा पाने में मदद कर सकते हैं। बीज फाइबर से भरे होते हैं, जो आसान मल त्याग में मदद करता है और शरीर की पाचन शक्ति को बढ़ाता है।

हृदय रोगों से बचाता है: सरसों का तेल आमतौर पर हर भारतीय घर में इस्तेमाल किया जाता है और यह हृदय संबंधी समस्याओं से पीड़ित लोगों के लिए काफी फायदेमंद है। यह आपके कोलेस्ट्रॉल के स्तर को प्रबंधित करने में मदद करता है और रक्त में खराब कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करता है, जो आपके हृदय स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है।

हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाते हैं: सरसों के बीज आपकी हड्डियों के लिए भी अच्छे होते हैं क्योंकि वे सेलेनियम नामक खनिज से भरे होते हैं, जो आपकी हड्डियों को मजबूत बनाता है। वे आपके नाखूनों, बालों और दांतों को मजबूत बनाने में भी मदद करते हैं। सरसों के बीज में एंटीऑक्सिडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो मसूड़ों, हड्डियों और दांतों में दर्द से राहत दिलाने में मदद करते हैं।

त्वचा की समस्या का है समाधान: हर मौसम में त्वचा को हाइड्रेट रखना महत्वपूर्ण है और सरसों के बीज आपकी इस में मदद कर सकते हैं। बीज आपकी त्वचा को हाइड्रेट करते हैं, सभी अशुद्धियों को दूर करते हैं और आपकी त्वचा को मुंहासों से बचाते हैं। बीज एंटी इंफ्लामेट्री गुणों के साथ पैक किए जाते हैं जो शरीर में सूजन को कम कर सकते हैं। आप सरसों के तेल को त्वचा पर मालिश कर इसके फायदे ले सकते हैं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-4-5-6

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-5

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। दवा-दारू में ज्यादा खर्च होगा। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है। शुभांक-5-6-9

धनु (ये यो भा भी भू …): चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य …

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)
सलाहकार संपादक: रिजवान सैफ खान
सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,
सह संपादक: राम सिंह यादव
उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3784

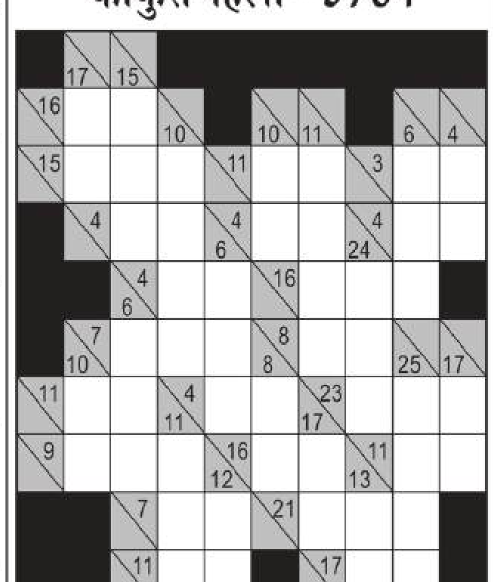

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

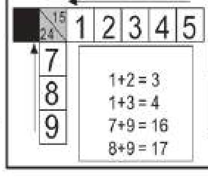

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3783 का हल

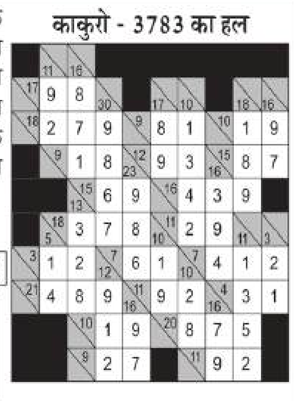

हंसी के फूव्वारें

शक्ल-सूरत से एकदम भोली दिखती एक जवान लड़की डॉक्टर के सामने बैठी हुयी थी. डॉक्टर ने उसका शारीरिक परीक्षण करने के बाद कहा,'मेरा ख्याल है कि तुम्हारे बच्चा होने वाला है.'क्षण भर रुककर वह बोला,'और यह संभव है कि तुम्हारे जुड़वां बच्चे हों.'

'लेकिन डॉक्टर साहब यह कैसे हो सकता है?' लड़की ने चकित स्वर में कहा,'मैं अपने जीवन में एक बार में कभी दो से नहीं मिली हूँ.'

□ □ □

घरवाली ने जरा खीझते हुए आदमी से बोली,'घर में जवान बेटी बैठी है और तुम्हें कोई चिंता नहीं,हाथ पर हाथ धरे बैठे रहते हो.कुछ भाग-दौड़ करो...'

आदमी ने एक गहरी सांस लेते हुए कहा,'भागवान, कोई सही-सा लड़का मिले तो बात आगे...'

तड़-से घरवाली बीच में ही बात काटते हुए हाथ घुमाकर बोली,'सोचो, अगर मेरे पिताजी भी सही लड़के की खोज करते,तो फिर तुम्हारा क्या होता?'

□ □ □

पति ने चिड़चिड़े लहजे में कहा,'इस वक्त मुझे तंग मत करो, मेरे दिमाग में आग लगी है...'

'ओह !' पत्नी बोली, 'तभी तो मैं सोच रही थी कि चमड़ा जलने की बदबू कहां से आ रही है !'

फिल्म वर्ग पहेली- 3784

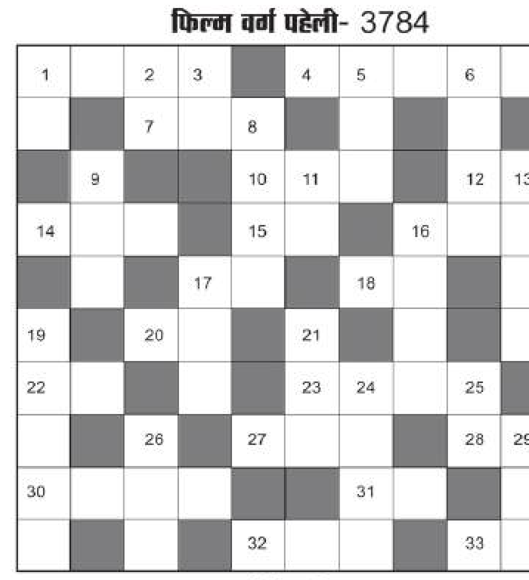

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो ना' गीत वाली फिल्म-४
४. 'मैं कहीं कवि न बन जाऊं' गीत वाली धर्मेन्द्र, वैजयंती की फिल्म-२,१,२
७. राहुलराय, दीपक तिजोरी, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१०. 'वो लम्हे वो बातें' गीत वाली इमरान हाशमी, उदिता, शमिता की फिल्म-३
१२. 'अमूल स्टार वॉइस ऑफ इंडिया' का एंकर कौन है?-२
१४. 'मोरनी रे मोरनी मैं' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३
१५. अमिताभ, जैकी, कैटरीना, सीमा की 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'आँखों में तू होठों में तू' गीत वाली जिमी शेरगिल, शेनाज की फिल्म-३
१७. नसीर, अतुल अग्निहोत्री की 'बंद होठों से जो' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'पहली बारिश में और' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
२०. संजय, शरद, मनीषा की 'ओ गोरी तू चली' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दिल विच तेरा ही खयाल' गीत वाली अमिताभ, अक्षय की फिल्म-२
२३. संजयदत्त, माधुरी, की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म-४
२७. संजीवकुमार, जया की फिल्म-३
२८. सलमान खान, स्नेहा की 'सुन जरा सोनिये सुन जरा' गीतवाली फिल्म-२
३०. 'लड़के ने लड़की को देखा' गीत वाली गोविंदा, जूही की फिल्म-४
३१. 'चल प्रेमनगर जाएगा बतला ओ' गीत वाली फिल्म-२
३२. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३
३३. नाना, अजय, फरदीन, रेखा, उर्मिला की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'सुहानी चाँदनी रातें' गीत वाली संजीव, शशि, विद्यासिन्हा, बिंदिया की फिल्म-२
२. रितिक रोशन, करिश्मा कपूर की 'मैं नाचूं बिन पायल' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
५. विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी की 'ये कैसी लगी अगन' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ये कैसा गम सजना' गीत वाली सुनीलदत्त, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-२,२
८. अमिताभ, परवीन की 'देख सकता हूँ मैं कुछ भी होते हुए' गीत वाली फिल्म-४
९. देव आनंद, उषा किरण की फिल्म-३
११. अमिताभ, रजनीकांत, गोविंदा, किमी की 'बम चिकी चिकी' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'हम से तुम दोस्ती कर' गीत वाली सनी देओल, डिम्पल की फिल्म-४
१६. संजीवकुमार, सुलक्षणा की 'सुबह और शाम काम ही' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'जो तुमको हो पसंद' गीत वाली राजेश खन्ना, फिरोज, शर्मिला की फिल्म-३
१९. नवीन निश्चल, रेखा की 'कान में झुमका चाल में ठुमका' गीत वाली फिल्म-३,२
२१. 'ओ गुड़िया ओ बहना' गीत वाली संजयदत्त, फरहा की फिल्म-३
२४. अनिल धवन, रेहाना की 'दिल बेचैन रहा तुम बिन' गीत वाली फिल्म-२,२
२५. 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
२६. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या की फिल्म-३
२९. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3783

सूडोकु -3784

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3783 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

शब्द पहेली - 3784

बाएँ से दाएँ

1.फिल्म 'बॉबी' के निर्माता-निर्देशक -2,3
4.आश्चर्य, विलक्षणता-4
7.जीत, फतेह-2
8.आकाश रेखा, छोर-3
9.तल, पैंदा-2
10.थाती, धरोहर-4
11.मोटा आटा-2
13.सलाह, मशवरा-4
14.अन्य, वो, तिन-2
16.घर,गृह-3
18.धावक (अंग्रेजी-3)
19.नाम रखना-2,3
21.परामर्शदाता-5
24.सुनसान, नीरव-3
26.वन, जंगल-3
28.मिट्टी, रेत-2
29.चेतनाहीन-4
30.पराग कण-2
32.भयभीत होना-4
33.छोटी सवारी गाड़ी-2
35.फूलों का हार जो बालों में लगाते हैं,वेणी-3
36.द्वार,किवाड़-2
37.जनता की राय-4
38.नाटक लिखने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.मत, सलाह-2
2.करतब-4
3.वह जंगल जो संरक्षित हो-3,2
4.अनश्वर, चिरयुवा-3
5.लीन, मग्न-2
6.जलाऊ लकड़ी-4
7.रनिवास 3,2
10.मूर्ख (उर्दू-4)
12.बांया-2
15.आनंदित होना-4
17.शत्रुघ्न सिन्हा व रीना राय की फिल्म-3
18.योद्धा-4
20.अमिताभ के तिहरे रोल वाली फिल्म-3
22.मुआवजा-4
23.चित्रपट, फिल्मी दुनिया-3,2
25.राज वंश-2,3
26.काम, कार्य-4
27.मादा का विलोम-2
29.उपद्रव फैलाने वाला-4
31.दुनिया, जहान-3
34.क्रिकेट में बनते हैं-2
36.पंख, पराया-2

शब्द पहेली -3783 का हल

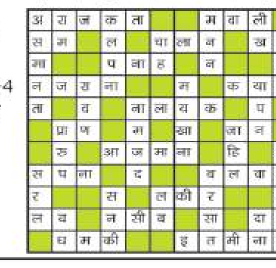

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी